www.navpradesh.com

//-- सुविचार --//
हमारे जीवन में क्रोध और आंधी एक समान है क्योंकि इनके जाने के बाद ही हमें अपने नुकसान का पता चलता है

दैनिक
नवप्रदेश
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ❖❖ 2 | अभिव्यक्ति 4 | छत्तीसगढ़ 6 | आंचलिक 7 | मनोरंजन/खेल/व्यापार

RNI NO.CHHHIN/2012/41806 रायपुर, सोमवार 2 मई 2022, शुक्ल पक्ष पूर्णिमा, विक्रम संवत-2078 वर्ष-22 अंक-81 पृष्ठ-08 मूल्य-4 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

सही बात है। पैसा बोलता है। हरियाणा में आम आदमी पार्टी की एक नेत्री निशा सिंह जो मनीष सिसोदिया की सलाहकार रह चुकी है उन्हें दंगा भड़काने के आरोप में कोर्ट ने 7 साल की सजा सुना दी है। इतनी बड़ी खबर पर खबरिया चैनल चुप्पी साध कर बैठ गए। कारण स्पष्ट है कि घुंघरू सेठ उनके सबसे बड़े विज्ञापन दाता है। जो टीवी पर अपना चौखटा चमकाने के लिए थोक के भाव में विज्ञापन देते है। उन्हें नाराज करना मतलब अपने हाथों अपने पांव में कुल्हाड़ी मारना है। वाकई मीडिया को मैनेज करने की कला में घुंघरू सेठ ने महाराथ हासिल कर ली है।

सूर्योदय

उदय : 5.42 प्रातः
अस्त : 6.57 संध्या

जनसंख्या

विश्व : 7,943,708,536
भारत : 1,405,237,534

बाजार

सेंसेक्स : अवकाश
निफ्टी : अवकाश
गोल्ड : 47,635 प्रति 10 ग्राम
चांदी : 64,750 प्रति किग्रा
अण्डा दर : 3.42 प्रति नग

प्रदेश का मौसम

स्थान	अधिकतम	न्यूनतम
रायपुर	43.5	28.4
बिलासपुर	44.3	27.8
जगदलपुर	39.7	25.6
अंबिकापुर	42.3	23.3

आज का दिवस

अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान दिवसः शरद और वसंत के दौरान अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान दिवस एक वर्ष में दो बार मनाया जाता है। इस वर्ष खगोल विज्ञान दिवस 2 मई को मनाया गया और इस वर्ष का अगला संस्करण 26 सितंबर को मनाया जाएगा। उत्तरी कैलिफोर्निया के खगोल विज्ञान संघ के अध्यक्ष ने 1973 में प्रथम खगोल विज्ञान दिवस का आयोजन किया था। इस दिन को मनाने का उद्देश्य ब्रह्मांड और खगोल विज्ञान के क्षेत्र के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

प्रदेश से लेकर विदेशों में मच रही बोरे बासी की धूम....
मेहनतकशों के रंग में रंगे नेता व नौकरशाह

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में मजदूर दिवस एक नए अंदाज में मनाया गया। छत्तीसगढ़ के गांव-शहर से लेकर सात समुंदर पार विदेशों में भी बोरे बासी की धूम मची रही। सीएम से लेकर मंत्री, विधायक समेत प्रशासनिक अधिकारी भी मेहनतकशों के रंग में रंगे नजर आए। जब 1 मई रविवार को पूरा हिंदुस्तान मजदूर दिवस के रूप में मना रहा था तो वहीं दूसरी ओर छत्तीसगढ़ में बोरे बासी उत्सव मनाया जा रहा था। छत्तीसगढ़ में यह खास व अलग बन गया। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की एक अपील ने इस राज्योत्सव के रूप में तब्दील कर दिया। मजदूरों के सम्मान में यह उत्सव मना। हर किसी ने मेहनतकशों को सम्मान दिया।

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, यह मजदूर दिवस खास हो गया है। मैंने आव्हान किया था बोरे-बासी खाने के लिए। इसके बारे में लोगों से जानकारी जुटाई तो पता चला कि देश-विदेश में भी लोग आज बोरे-बासी खा रहे हैं। बड़े-बड़े होटलों में आज बोरे-बासी परोसा गया है। एक होटल संचालक ने तो बताया कि उन्होंने विदेशी पर्यटक को भी बोरे-बासी परोसा है। आज इस छत्तीसगढ़ी व्यंजन की प्रसिद्धि से वे बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं।

सोशल मीडिया में भी छाया बोरे बासी : छग का बोरे बासी सोशल मीडिया पर भी छाया रहा। ट्विटर पर बोरे बासी दिन भर नंबर 1 पर ट्रेंड किया। श्रमिक दिवस पर राज्य भर में नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने पूरे उत्साह के साथ बोरे बासी खाया और छत्तीसगढ़ संस्कृति के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया।

मुख्यमंत्री के उपसचिव सौम्या चौरसिया ने बोरे बासी खाकर श्रमवीरों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कई चुनौतियों का सामना कर रहा है यूरोप : मोदी

नई दिल्ली (ए.)। डेनमार्क, जर्मनी और फ्रांस की अपनी तीन दिवसीय यात्रा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह ऐसे समय में यूरोप की यात्रा कर रहे हैं जब यह क्षेत्र कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। पीएम मोदी 2 मई को तीन देशों के दौरे पर रवाना होंगे। इस साल उनकी यह पहली विदेश यात्रा है। यह यात्रा यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद हो रही है।

पीएम मोदी ने एक बयान में कहा, मेरी यूरोप यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब यह क्षेत्र कई चुनौतियों और विकल्पों का सामना कर रहा है। अपनी व्यस्तताओं के माध्यम से मैं अपने यूरोपीय भागीदारों के साथ सहयोग की भावना को मजबूत करने का इरादा रखता हूं, जो भारत की शांति और समृद्धि की खोज में महत्वपूर्ण साथी हैं।

यात्रा के पहले चरण में प्रधानमंत्री 2 मई को जर्मनी पहुंचेंगे। पीएम मोदी बर्लिन में जर्मन चांसलर ओलाफस्कोल्ज़ के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे और दोनों नेता भारत-जर्मनी अंतर सरकारी परामर्श (आईजीसी) का छठे संस्करण की सह-अध्यक्षता करेंगे। कई भारतीय मंत्री भी उस दिन जर्मनी की यात्रा पर रहेंगे और अपने जर्मन समकक्षों के साथ विचार-विमर्श करेंगे।

पीएम मोदी ने कहा, मैं इस आईजीसी को जर्मनी में नई सरकार के गठन के छह महीने के भीतर एक शुरुआती जुड़ाव के रूप में देखता हूं, जो मध्यम और दीर्घकालिक के लिए हमारी प्राथमिकताओं की पहचान करने में मददगार होगा। प्रधानमंत्री मोदी 3 मई को डेनमार्क के कोपेनहेगन के लिए उड़ान भरेंगे, जहां वह अपने डेनिश समकक्ष मेटे फ्रेडरिकसेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। यहां मोदी दूसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। प्रधानमंत्री मोदी अन्य नॉर्डिक देशों के प्रधानमंत्रियों के साथ भी बातचीत करेंगे। 24 घंटे के दौरान वह भारत-डेनमार्क व्यापार गोलमेज सम्मेलन में भी भाग लेंगे और साथ ही डेनमार्क में भारतीय समुदाय के साथ बैठक करेंगे। ■ शेष पृष्ठ 6 पर

अगले 5 साल में भारत में जापान करेगा 3.2 लाख करोड़ का निवेश: नरेंद्र मोदी

जापान अगले पांच वर्षों में भारत में 5 ट्रिलियन येन यानी 3.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कही। प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में अपने जापानी समकक्ष फुमियो किशिदा के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बयान दिया। दोनों नेताओं ने दिन में भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के दौरान नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय वार्ता भी की। पीएम मोदी ने कहा, दुनिया अभी भी कोविड -19 महामारी और इसके दुष्प्रभावों से जूझ रही है। वैश्विक आर्थिक सुधार की प्रक्रिया में अभी भी बाधाएं हैं। भू-राजनीतिक घटनाएं भी नई चुनौतियां पेश कर रही हैं। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि भारत-जापान साझेदारी को गहरा करने से भारत-प्रशांत क्षेत्र में और वैश्विक स्तर पर भी शांति, समृद्धि और स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।
पीएम मोदी और पीएम फुमियो किशिदा के बीच बातचीत के बाद भारत और जापान ने छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी और पीएम किशिदा के बीच बातचीत के बाद दोनों देशों ने स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी की भी घोषणा की। पीएम मोदी ने कहा, भारत और जापान एक सुरक्षित, भरोसेमंद, अनुमानित और स्थिर ऊर्जा आपूर्ति के महत्व को समझते हैं।

एलएसी पर गलत हरकत बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली। भारतीय थल सेना के नए प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने रविवार को कहा है कि देश की रक्षा सबसे ऊपर है और मैं हर चुनौती से निपटने को तैयार हूं। जनरल मनोज पांडे ने चीन के बारे में भी बात करते हुए कहा कि भारत और चीन के बीच बातचीत की प्रक्रिया जारी है। हमें विश्वास है कि आगे का रास्ता भी होगा। हालांकि इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि एलएसी पर गलत हरकत बर्दाश्त नहीं होगी।

दरअसल, पद संभालते ही सेना प्रमुख ने चीन को दो टूक सुना दी है। उन्होंने यह जरूर कहा कि हमें विश्वास है कि जैसे-जैसे हम दूसरे पक्ष से बात करना जारी रखेंगे, हम चल रहे मुद्दों का समाधान खोज लेंगे। लेकिन साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि एलएसी पर गलत हरकत बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पिछले दो साल में हमने चीन से लगने वाली सरहद पर अपनी तैनाती को काफी मजबूत बनाया है। जनरल मनोज पांडे ■ शेष पृष्ठ 6 पर

चीन की तरह एलएसी के पास 6 एयरफील्ड बनाएगी वायुसेना

नई दिल्ली। भारत-चीन के बीच वर्ष 2020 में हुए टकराव के बाद चीन ने एलएसी के निकटवर्ती क्षेत्रों में अपनी तरफ आधा दर्जन नए एयरफील्ड तैयार कर लिए हैं। जबकि, पहले भी उसके पास एक दर्जन नए एयरफील्ड सीमावर्ती क्षेत्रों के निकट मौजूद थे। चीन की इस चुनौती से मुकाबले के लिए भारत की ओर से भी सीमाई क्षेत्रों में नए एयरफील्ड विकसित किए जा रहे हैं। वायुसेना के सूत्रों ने हाल में संसद की एक समिति के समक्ष में दिए गए बयान का हवाला देते हुए कहा कि एलएसी के निकट चीन के पहले से मौजूद एयरफील्ड और पिछले एक-डेढ़ वर्षों के दौरान बने एयरफील्ड की पहचान की गई है।

प्रसंगवश

बटकी म बासी अउ चुटकी म नून

उत्कर्ष कुमार सोनबोइर

जब जब हम गाते है बटकी म बासी अउ चुटकी म नून तो मन में अलग ही ठंडकता महसूस होती है, छत्तीसगढ़ के ददरिया लोक गीतों में भी अपने खान पान का झलक मिलता है, हर छत्तीसगढ़िया का पहला पसंद बोरे बासी और

गर्मी के दिनों में बोरे बासी खाने का मज्ज़ा ही कुछ और है। छत्तीसगढ़ में प्रचलित कहावत है ठण्डा मतलब बोरे बासी, बासी शरीर को ठंडक प्रदान करती ही है और वैज्ञानिकों ने शोध किया है की छत्तीसगढ़ की बासी में जरूरक पोषक तत्व पोटैशियम, कैल्शियम मैग्नीशियम भी भरपूर मात्रा में उपलब्ध होता है, बासी खाने से गर्मी में लू नहीं लगती, पाचन क्रिया संतुलित रहता और रक्त चाप भी नियंत्रित रहता है। अब शायद आपको मालुम चला होगा यूं ही नहीं खाते थे छत्तीसगढ़ के लोग उनके ये आहार खाने का कुछ कारण था, पर कईयों को लगता होगा की यह अनपढ़ो का आहार है पर आज नाशा (NASA) भी यह पुष्टि करता है की छत्तीसगढ़ की बासी में दम है, बासी के साथ छत्तीसगढ़ की छत्तीस प्रकार के भाजी आज देश विदेश के अखबारों में चर्चित है।

बोरे बासी मतलब रात का बचा हुआ चावल को गर्मी के दिनों में पानी डालकर रखने और सुबह खाने को बोरे बासी कहा है, बासी के साथ लाई बरी, दही, बिजौरी, दही भोरे मिर्चा, प्याज़, चेच भाजी के साथ खाने का आनंद अलग ही आता है।

छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नधृष्टा डॉ. खूबचंद बघेल लिखते है,
गजब बिटामिन भरे हुए हे,
छत्तीसगढ़ के बासी मे....
अंतिम बासी को साधा
निज यौवन पूरण मासी मे
गौतम बुद्ध कबीर मिले
मुझे छत्तीसगढ़ के बासी मे।
बासी के गुण कहौं कहां तक
येला न टालौ हासी मे
गजब बिटामिन भरे हुए हे
छत्तीसगढ़ के बासी मे।
पदम् श्री श्यामलाल चतुर्वेदी जी लिखते है
पेज समुंद मा बासी बिस्नु, बूड़े बिहनहे ले देखा।
पंचामृत कस पीबों खा परसाद बरोबर अनलेखा।
बासी खाके ओ फल पावा, जउन अजोध्या कांसी मा।
जबड़ पुसटई भरे हे भाई छत्तीसगढ़ के बासी मा।

वे बासी का पानी को समुन्दर और बासी को भगवान विष्णु मानते है, उन्हें प्रातः उनकी दर्शन करना अच्छा लगता है कहते है जो आनंद बासी को पंचामृत मान खाने में है वो आंनद आयोध्या काशी में भी नहीं है।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस वर्ष मजदूर दिवस यानी 1 मई को #BOREBAASIDAY के रूप में मनाने को कहा है, बोरे बासी छत्तीसगढ़ का केवल आहार ही नहीं बल्कि अपने भूमि प्रति प्रेम और अमूल्य संस्कृति का प्रतिक है, इस दिवस के जरिये हम उन मजदूरों का सम्मान कर रहे है जिनका श्रम ही पूजा है। चुकी छत्तीसगढ़ परिश्रमी श्रमिकों का गढ़ है, श्रम को भगवान मानने वाले छत्तीसगढ़ियों के लिए यह दिवस बहुत ही महत्वपूर्ण है, छत्तीसगढ़ सरकार इन चीजों को बढ़ावा दे रही तो यह सराहनीय है।

इस दिवस को सरहाते बहुत से साहित्यकार और लेखकों ने अपनी लेखनी प्रस्तुत की नारायण चंद्राकर जी लिखते है की
छत्तीसगढ़ के बासी के
मैं जरूर करहु बखान।
जेखर गुण के बारे में,
सबला होना चाहिए ज्ञान।

वे बासी के गुण गान समूचे विश्व में करने को कह रहे थे।

गणेश्वर पटेल लिखते है की हमन अपन लोक खान पान मन ल संजो के रखबो, एला कभू नंदाए ल नई देवन, अउ एकर सुग्गर मिठासपन ल गुरतुरपन ल चारों मुड़ा म बगराये के उदिम म करबोन अउ जबर गरब ले ए कहावत ल कहिबोन 'ठंडा मतलब बोरे बासी ', वे छत्तीसगढ़ी लोक आहार को संजोने और उन पर गर्व करने के बात कर रहे थे।

सुशील भोले जी लिख़ते है कि दिन आगे गरमी के, नंगत झड़क लव बासी
दही महि के बोरे होवय , चाहे होवय तियासी
उन्होंने भी गर्मी के दिनों में बोरे बासी खाने की अपील की।
गिरधारी लाल चौहान लिखते है कि संगी हमर बासी अमृत के समान,
रोज बिहना खावन करके असनान,
बटकी म हेरेन कंवरा कंवरा धरन,
चटनी पाताल मिरचा संग आथन

उन्होंने भी बासी की खूबी को बखूबी बताया है, चटनी और मिर्च के साथ खाये जाने वाला ये छत्तीसगढ़ी आहार अमृत के समान बताया है। बहुत से साहित्यकारों ने बासी पर गहन लिखा है, आप भी खाये छत्तीसगढ़ का लोक आहार बोरे बासी, और आखिर में आप ल मोर बोरे बासी जोहार!

गरमा-गरम

कैबिनेट मीटिंग... कर्मचारी पेंशन योजना को 1 अप्रैल से, अमर जवान ज्योति स्मारक स्थापना पर भी मुहर

मजदूर दिवस पर कैबिनेट ने मजदूरों को दी बड़ी सौगात, 6 की जगह मिलेंगे 7 हजार

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अध्यक्षता में रविवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। जिसमें मजदूर दिवस के दिन भूपेश कैबिनेट ने मजदूरों को बड़ी सौगात दी है। कैबिनेट ने ग्रामीण भूमिहीन कृषि योजना के तहत हितग्राहियों को 6000 की वजह अब 7000 सालाना करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार ने कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए पुरानी पेंशन योजना को एक अप्रैल से लागू करने की मंजूरी दे दी है। इसे लेकर सरकार की ओर से पहले ही घोषणा की जा चुकी थी। वहीं छत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योति स्मारक की स्थापना के सहित अन्य अहम प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

बैठक में निम्नानुसार महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए

- एक नवंबर 2004 से नियुक्त शासकीय सेवकों के लिए नवीन अंशदायी पेंशन योजना के स्थान पर पुरानी पेंशन योजना लागू करने के निर्णय का अनुमोदन किया गया। नवीन अंशदायी पेंशन योजना हेतु वेतन से की जा रही 10 प्रतिशत की मासिक अंशदान की कटौती एक अप्रैल 2022 से सामाप्त कर सामान्य भविष्य निधि नियम के अनुसार मूल वेतन का न्यूनतम 12 प्रतिशत कटौती के प्रस्ताव को सहमति दी गई।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के व्यक्तियों को मात्रात्मक त्रुटि के कारण जाति प्रमाण पत्र प्राप्त करने में हो रही कठिनाईयों को दूर करने के उद्देश्य से अंग्रेजी में अधिसूचित जाति को मान्य करने तथा जाति प्रमाण पत्रों में अंग्रेजी में ही अधिसूचित जाति का उल्लेख करने का निर्णय लिया गया।
- प्रदेश के युवाओं के हित में एक बड़ा फैसला लेते हुए छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग, छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल एवं विशेष कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षाओं के शुल्क माफकरने के निर्णय का अनुमोदन किया गया।
- छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मंजूरी प्राप्त रियल एस्टेट प्रोजेक्टों जिसमें 75 लाख रूपए बाजार मूल्य तक आवासीय मकानों एवं फ्लैट्स में रजिस्ट्री शुल्क में 2 प्रतिशत की छूट की प्रभावशीलता अवधि को 31 मार्च 2023 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया।
- राजीव गांधी ग्रामीण भूमिहीन कृषि मजदूर न्याय योजना में हितग्राही परिवार के मुखिया को वार्षिक आधार पर प्रदाय सहायता राशि 6 हजार रूपए से बढ़ाकर 7 हजार रूपए तथा प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्र में आदिवासियों के देव स्थलों पर पूजा करने वाले बैगा, गुनिया, पुजारी, देव स्थल के हाट पाहार्या एवं बाजा मोहरिया को जिनका आदिवासियों के सांस्कृतिक जीवन और सामाजिक संस्कारों में विशेष महत्वपूर्ण भूमिका है, उन्हें भी इस ■ शेष पृष्ठ 6 पर

संपादकीय

उत्तरप्रदेश का पूरा देश अनुसरण करें

धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के मनमाने उपयोग को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार ने जो कदम उठाया है वह पूरे देश के लिए अनुकरणीय है। मध्यप्रदेश की शिवराज सिंह की सरकार ने इसका अनुसरण करने की घोषणा कर दी है। भाजपा की धुर विरोधी पार्टी शिवसेना के नेता संजय रावत ने भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारिफ करते हुए उनके निर्णय को बेहतर बताया है। यह अलग बात है कि महाराष्ट्र सरकार ने उत्तर प्रदेश का अनुसरण करने के संकेत नहीं दिए है। गौरतलब है कि मस्जिदों से लॉउडस्पीकर पर अजान का विरोध सबसे पहले महाराष्ट्र में ही शुरू हुआ था। कुछ साल पहले फिल्मी सोनू निगम ने अजान पर एतराज जताते हुए प्रतिक्रिया दी थी कि अजान की आवाज से उनकी नींद खराब होती है। उस समय बात आई गई हो गई थी। किन्तु हालहि में महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने अजान के विरोध में हनुमान चालिसा का पाठ कराकर इस मामले को तुल दे दिया। इसके बाद महाराष्ट्र के बहार अन्य राज्यों में भी अजान और हनुमान चालिसा के पाठ को लेकर राजनीति गरमाने लगी। उत्तर प्रदेश में इसे लेकर कोई विवाद खड़ा होता इसके पहले ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह फरमान जारी कर दिया कि मंदिर हो या मस्जिद या और कोई भी धर्मस्थल हो वहां लॉउडस्पीकर की आवाज उस धार्मिक स्थल के परिसर से बाहर नहीं जानी चाहिए। अन्यथा सरकार कड़ी कार्रवाई करेगी। उनकी चेतावनी का तत्काल असर हुआ और सभी धार्मिक स्थलों से लॉउडस्पीकर उतरने लगे। लॉउडस्पीकर की आवाज भी कम कर दी गई। योगी सरकार के इस फैसले की सभी ने सराहना की। मध्यप्रदेश सरकार ने तो इसका अनुसरण भी कर लिया। महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों को भी चाहिए कि वे फैसले को अपने यहां भी लागू करें। ताकि यह विवाद खत्म हो और ध्वनि प्रदूषण कम हो। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में जो फैसला दिया था कि रात्री दस बजे से लेकर सुबह छह बजे तक किसी भी प्रकार के ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग नहीं किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश की अब तक धज्जियां उड़ाई जाती रही है। अब जरूरत इस बात की है कि सभी राज्य सरकारे सुप्रीम कोर्ट के इस निर्देश का भी कढ़ाई पूर्वक पालन सुनिश्चित करें। ताकि लोगों को बढ़ते ध्वनि प्रदूषण से राहत मिल सके। उम्मीद की जानी चाहिए कि राज्य सरकारे इस मुद्दे को गंभीरता से लेगी और इस दिशा में जल्द से जल्द कारगर कदम उठाएंगी।

विचार-

देसंविवि में 600वां सप्ताह पर पौधारोपण, जीवन बचाना हो तो पौधारोपण जरूरी : डॉ पण्ड्या

हरिद्वार/नवप्रदेश। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज के नेतृत्व मे पर्यावरण संरक्षण के तहत सन् 2010 से अनवरत रूप से प्रत्येक रविवार को स्थान स्थान पर पौधे रोपे जाते हैं। इस शृंखला का 600वां सप्ताह (रविवार) के दौरान देवसंस्कृति विश्व विद्यालय के प्रज्ञेश्वर महादेव मंदिर परिसर में रूद्राक्ष के पौधे रोपे गये। यह अभियान अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डा प्रणव पण्ड्या के नेतृत्व में कोलकाता गायत्री परिवार युथ ग्रुप द्वारा चलाया जा रहा है। ग्रुप के प्रमुख श्री रवि शर्मा ने बताया कि अब तक पं बंगाल, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश महाराष्ट्र, झारखण्ड सहित अनेक राज्यों के तीन सौ से अधिक शहरों, कस्बों में एक करोड़ से अधिक पौधे रोपे जा चुके है। उन्होंने बताया भारत सरकार तथा यूनेस्को ने अभियान की प्रशंसा करते हुए विशेष पुरस्कार से सम्मानित किया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेय डॉ प्रणव पण्ड्या ने कहा कि प्राणी मात्र के जीवन को बचाना है, तो पौधारोपण करना है। इन दिनों जिस तरह से ग्लोबल वार्मिंग की समस्या पनप रही है, इसका एक ही समाधान है वृहत स्तर पर पौधारोपण। उन्होंने कहा कि जिस तरह सिंगापुर में प्रत्येक व्यक्ति पौधारोपण के अभियान से जुड़कर पौध रोपते हैं, हम सभी को उनसे यह सीख लेनी चाहिए और प्रत्येक भारतीय को जहाँ-जहाँ स्थान हो, वहां-वहां पौधे लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शांतिकुंज स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत चलाये जा रहे अभियानों में से पर्यावरण संरक्षण के अंतर्गत पौधारोपण को प्रमुखता से गति देनी है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी अपरिहार्य कारणों से उपस्थित नहीं सके और वे वर्चुअल जुड़े और गायत्री परिवार के कार्यों की सराहना की। शांतिकुंज स्वर्ण जयंती वर्ष के अंतर्गत हुए इस कार्यक्रम के लिए उन्होंने वीडियो संदेश दिया। बतौर मुख्य अतिथि महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री श्री सुधीर मुनगंटीवर ने कहा कि तपती गर्मी के बीच पेड़-पौधों की छाया में जब देसंविवि का भ्रमण किया, तो मन आह्लादित हो गया। यहां जिस तरह पौधो की क्यारियां लगाई गयी है, ऐसे सभी जगह लगाये जायें, तो बढ़ते तापमान पर अंकुश लगाया जा सकता है। कोलकाता के गायत्री परिवार युथ ग्रुप के श्री रवि शर्मा के नेतृत्व में चलाया जा रहा पौधारोपण का अभियान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि जब मन को शांति चाहिए तो पौधों के बीच भी शांति ढूंढ सकते हैं। इससे पूर्व देसंविवि के प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पण्ड्या ने पौराणिक कथाओं के साथ वर्तमान समय मे पौधारोपण की महत्ता पर प्रकाश डाला। प्रतिकुलपति ने ग्लोबल वार्मिंग के मद्देनजर वृहत स्तर पर पौधारोपण को आवश्यक बताया। उन्होंने कहा कि देसंविवि में यदि डिग्री हो पाना-पांच पौधे है लगाना अभियान चलाया जाता है, इसके अंतर्गत देसंविवि के प्रत्येक विद्यार्थियों को डिग्री प्राप्त करने से पहले तक पांच-पांच पौधे लगाने होते हैं। इस अवसर पर तुलसी सहित विभिन्न औषधीय एवं छायादार पेड़ों के पौधों का पूजन कर उसे विभिन्न स्थानों पर रोपे गये। साथ ही शांतिकुंज उद्यान विभाग की ओर से पांच सौ अधिक पौधे तरू प्रसाद के रूप में निःशुल्क बांटे गये। इस अवसर पर संस्कृति संदेश, ई न्यूज लेटर रिनेसा, देवसंस्कृति विवि का प्रास्पेक्टस आदि अतिथियों नें विमोचन किया। मुख्य अतिथि मुनगंटीवार ने कुलाधिपति श्रद्धेय डॉ पण्ड्या राष्ट्रीय ध्वज भेंट किया, तो वहीं प्रतिकुलपति डॉ चिन्मय पण्ड्या ने मुनगंटीवार को युगसाहित्य एवं देसंविवि के प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर देसंविवि, शांतिकुंज परिवार सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी एवं मीडियाकर्मी उपस्थित रहे।

बस्तर में खेलों का विकास

शशांक श्रीधर शेंडे

इन सबके अलावा 2018 से लागू हुई भारत सरकार की महत्वकांक्षी योजना ‘खेलो इंडिया’ के अंतर्गत बस्तर की खेल प्रतिभाओं को निखारने, उनकी खोज करने, कम्युनिटी कोचिंग क्लास, खेल के मैदानों का विकास, खेलों का स्तर उठाने के लिए मुलभूत ढांचा तैयार करने, खेल अकादमी का निर्माण इत्यादि पर प्रशंसनीय कार्य बस्तर में भी हो रहे हैं, इसके अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय स्तर का फुटबाल स्टेडियम बस्तर में बन कर तैयार है, सिंथेटिक ट्रैक बन कर जगदलपुर में तैयार है, सभी खेल मैदानों को बेहतरीन उच्च क्वालिटी का बनाया जा रहा है, बस्तर के हर जिले का प्रशासनिक अमला जोर शोर से विशेष रूचि लेकर कार्य कर रहा है ।राज्य शासन भी खेलों के विकास के लिए बस्तर में बेहतर काम कर रही है ।इन सबको देखते हुए मुझे लग रहा है, बस्तर का खेलों के क्षेत्र में बहुत उज्जवल भविष्य है । वह दिन अब दूर नहीं है जब बस्तर का नाम खेल दुनिया में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा ।

बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में नौकरी के लिए 1988 नवम्बर को जब मैं निकला तो माँ बोली वहां मत जा, आदिवासी लोग तीर मार देते हैं । देशभर के आम जनमानस में बस्तर की अमूमन यही तस्वीर थी । क्षेत्रफल में केरल से बड़ा होने के बावजूद और खनिज भंडारों के अकूत संपदा का मालिक होने के बाद भी बस्तर अत्यन्त पिछड़ों में गिना जाता था । जब तक बस्तर मध्यप्रदेश का हिस्सा था यहाँ विकास की चिड़िया को पंख भी नहीं लगे थे । सामान्य विकास का नामोनिशान नही था तो खेलों का विकास तो जैसे कल्पना के आकाश में उड़ने जैसा ही था ।

वर्ष 2000 का नवम्बर महीना बस्तर के लिए सौगात लेकर आया जब अटल बिहारी जी की सरकार ने छतीसगढ़ राज्य बनाया मध्यप्रदेश से अलग करके ।तब शनैः शनैः विकास की नदिया का पानी बस्तर की ओर भी बहने लगा कहूँ ,तो अतिशयोक्ति न होगी।वर्ष 1975 से आरम्भ हुई ठाकुर विजय बहादुर गोल्ड कप फुटबाल प्रतियोगिता मानों यहाँ का विश्व कप फुटबाल था । यही एकमात्र खेल था जिसके लिए पूरा जगदलपुर और आस पास के उड़ीसा के भी गावों के लोग मैच देखने आया करते थे और शहर का सिटी ग्राउंड खचाखच भर जाता था । लेकिन इसके अलावा कोई ऐसा उल्लेखनीय खेल और नहीं था, जो इतना अधिक लोकप्रिय हो । वैसे तो यहाँ वॉलीबाल, कबड्डी, हॉकी, क्रिकेट भी चलन में थे पर अत्यधिक लोकप्रिय फुटबाल ही रहा जिसमें पश्चिम बंगाल, पंजाब , केरल, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार , ओड़िसा, गोवा, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश की नामी टीमें आया करती थीं।

लगभग 20 वर्ष पहले जगदलपुर शहर में महिलाओं के राष्ट्रिय खेल का आयोजन हुआ जिसमे विभिन्न खेल शामिल थे, खो खो, कबड्डी, फुटबाल, लम्बी कूद, ऊँची कूद, बाल बैडमिंटन, हैंडबाल, वॉलीबाल इत्यादि, इसमें देश के लगभग सभी राज्यों से टीमों ने शिरकत की थी । उसकी वजह से बस्तर में खेल गतिविधियों की हलचल बढ़ गई और इस खेल के बाद नेशनल शालेय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ और मुझे लगता है, इस राष्ट्रीय खेल ने बस्तर में खेलों के विकास के लिए तड़के का काम किया , क्योंकि इससे बालिकाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ी और उनमें आत्मविश्वास जागृत हुआ और मैंने व्यक्तिगत रूप से बड़ा फ़र्क़ ये महसूस किया कि जगदलपुर में स्थित

माता रुक्मणि बालिका आश्रम डिमरापाल में जबरदस्त उत्साह का वातावरण निर्मित हुआ और बालिकाओं को प्रोत्साहित करने ले लिए आश्रम के प्रबंधक पद्मश्री धर्मपाल सैनी जी का अत्यंत महत्वपूर्ण और अविस्मरनीय और अद्भुत योगदान रहा।

बस्तर संभाग में माता रुक्मणि संस्थान के लगभग 40 आश्रम हैं, जो पद्मश्री धर्मपाल सैनी जी की तपस्या का फल है, उन्होने बस्तर के गाँव गाँव से बीहड़ वन क्षेत्र से बच्चियों को शिक्षित करने के लिए अपने आश्रम में लाया उनको पढ़ाया लिखाया उनकी इसी समाज सेवा और विशिष्ट कार्य के लिए उनको पद्मश्री से नवाज़ा गया । समाज सेवा और बालिका शिक्षा के क्षेत्र में वे अग्रणी तो थे ही परन्तु खेल के लिए उनके योगदान को नकार नहीं सकते । वे स्वयं ही सुबह से बालिकाओं को लेकर मैदान में पहुँच जाते हैं और उनका उत्साहवर्धन करते हैं । उनके सान्निध्य में रहकर कई बच्चे निखर कर आगे आये । बालमति ने तो राज्य स्तरीय मैराथन में पहला स्थान पाया था । बस्तर में खेलों के विकास में सैनी जी को कोई भूल नहीं सकता । आज भी 93 वर्ष की आयु में वे आपको खेल के मैदान में मिल जायेंगे। उनके जज़्बे को मेरा नमन है । वे हमारे लिए बस्तर का गौरव हैं एक धरोहर हैं और माता रुक्मिणी आश्रम खेलों में मील का पत्थर । आज स्थिति ये है की आश्रम की बालिकायें राज्य स्तर पर, राष्ट्र स्तर पर और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी परचम लहरा रहीं हैं । कई खेलों में आश्रम की बालिकाओं का अहम् योगदान साबित हो रहा है, चाहे मैराथन हो, तीरंदाजी हो, फुटबाल हो, योग हो। यहाँ पर मैं नारायणपुर स्थित रामकृष्ण मिशन का उल्लेख करना भी महत्पूर्ण समझता हूँ । यहाँ के बालकों ने देश की स्कूल स्तर की प्रतिष्ठित फुटबाल प्रतियोगिता संतोष ट्राफी जीतकर बस्तर को गौवान्वित किया और न सिर्फ बस्तर का, राज्य का डंका फुटबाल में बजा दिया । वहां के बच्चों ने भी कई खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर बस्तर का नाम ऊँचा किया है, बीजापुर बचेली के बच्चे बैडमिंटन में काफी अच्छा कर रहे हैं । शतरंज के खेल में जगदलपुर के लव्यज्योति ने बालक वर्ग में 2021 में अन्डर 12 में राष्ट्र स्तर पर धमक पैदा की राष्ट्रीय स्तर पर हुई ऑलाइन प्रतियोगिता में उसने प्रथम स्थान प्राप्त कर बस्तर और पूरे छत्तीसगढ़ का मान बढ़ाया यह बस्तर के लिए एक बड़ी उपलब्धि है । मुझे उसमे भविष्य का ग्रैंडमास्टर नज़र आ रहा है। बस्तर की पर्वतारोही नैना धाकड़ ने हिमालय की सबसे ऊंची चोटी माऊंट एवरेस्ट पर विजय प्राप्त की। नैना धाकड़ की यह उपलब्धि अद्भुत और लाजवाब है। वह बस्तर के खिलाड़ियों की प्रेरणा है नैना छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला है जिसने माऊंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराया है।

बस्तर में कई खेलों में अनेक संभावनाएं हैं क्योंकि यहाँ प्रतिभाओं की कमी नहीं है ,फुटबाल जुडो कराटे, किक बॉक्सिंग, क्रिकेट, एथलेटिक्स, बैडमिंटन , नौका दौड़ में खेल प्रतिभाएं सामने आ रही हैं तथा राष्ट्रीय स्तर पर दस्तक दे रही हैं । ग्रामीण खेलों का भी माहौल जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग से बहुत बढ़िया बन रहा है। खो खो, कबड्डी, योग, मलखम्ब इत्यादि में बस्तर के बच्चे आगे निकल रहे हैं । मार्च 2022 हरियाणा के पंचकुला में सम्पन्न हुई राष्ट्रिय सिविल सर्विसेस की बैडमिंटन प्रतियोगिता में भी बस्तर के मनोज लकड़ा, नेगी , जगत साव, बी एस ध्रुव , एस। एस। शेंडे, डॉ। बी प्रकाश मूर्ती , राबर्टसन, नितेश महंत, हलीम और नेताम ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर और पदक जीतकर बस्तर में खेलों के विकास की ओर बढ़ते क़दमों की आहट से ध्यान आकर्षित किया है ।

कोचिंग व्यवथा के कमी की वजह से खिलाड़ियों को उचित मार्गदर्शन नहीं मिल पाता लेकिन अब बस्तर में एनआई एस कोच भी उभरने लगे हैं जो बस्तर के आने वाले भविष्य की ओर इंगित करते हैं । साथ ही कुछ अच्छे पुराने खिलाड़ी भी बालक और बालिकाओं के लिए पसीना बहा रहे हैं जो सराहनीय है । क्रिकेट में आनंद मोहन मिश्रा, राजकुमार महतो, जोगेन्द्र ठाकुर, अनुराग शुक्ला, करनदीप सग्गू एथलेटिक्स में अजय व संजय मूर्ती, हाकी में पिल्ले, जुडो में मोईन अली, मकसूदा हुसैन, ठाकुर मास्टर्स एथलेटिक्स में नबी मोहम्मद, अशोक राव, बास्केटबाल में संगीता तिवारी, फुटबाल में रूपक मुखर्जी ,गौतम कुंडू, विश्वजीत भट्टाचार्य इत्यादि। रूपक मुखर्जी तो फुटबाल के राष्ट्रीय रेफरी भी बने, शतरंज में राजेश जेना और रविन्द्रनाथ कुलगुरु बस्तर से पहले आर्बिटर बने।

आकाशवाणी केन्द्र , जगदलपुर, जिला-बस्तर (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पेड़ों में लटकाएं सुराही- बनाएं पक्षियों का घोसला

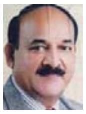

विजय मिश्रा अमित

ऐसे लटके हुये सुराही में गौरैया,गिलहरी,उल्लू, नीलकंठ,पहाड़ी मैना,जैसे पक्षी बड़ी सहजता से अपना बसेरा बना लेते हैं।मानव समुदाय का सबसे करीबी पक्षी गौरैय्या को सुराही में घर बनाना विशेष पसंद है।आंगन में फुदकती गौरैया अहसास कराती है कि -परिंदे जिनके करीब होते हैं,वे बड़े खुशनसीब होते हैं। यह सर्वविदित है कि पुराने बृक्षों की संख्या लगातार घटती जा रही है। ऐसे बृक्षों की खोह में बसेरा बनाने वाले प्रजातियों के पक्षियों को विकल्प के रूप में पेड़ पर लटकते सुराही मिल जाते हैं।पेड़ों में लटकाए सुराही में बसेरा बनाकर वे बिना कैद किये आपके आसपास चहकते हुए परिवार के सदस्य बन जाते हैं।

मनुष्य के तन-मन-धन सबको संवारने में पक्षी परिवार का अतिमहत्वपूर्ण योगदान होता है।जन्मजात विविध क़िस्म के पक्षी मानव मित्र होते हैं।फलों,फसलों में लगे कीड़ों मकोड़ों को खाकर वे न केवल फलों और फसलों की रक्षा करते हैं,अपितु फूलों के परागकण को एक फूल से दूसरे फूल में पहुंचाने का भी कार्य पक्षियों द्वारा किया जाता है।इसी प्रक्रिया से पेड़ पौधों में फल और बीज का निर्माण होता है।बहुपयोगी वनों का विस्तार होता है। पक्षियों से बढ़ती दूरियों के कारण इंसान की जिंदगी नीरस होती जा रही है।साथ ही कोयल,कौआ,गौरैया फाक्ता, बुलबुल, कबूतर जैसे पक्षियों से बढ़ती दूरी मानव समुदाय के लिए अनेक अर्थों में हानिकारक सिद्ध हो रही है।

फोटो फ्रेम के पीछे गौरैया का घोसला

बचपन में देखा करते थे, घर की दीवारों पर लगे फोटो फ्रेम के पीछे बड़ी सहजता-निर्भयता से गौरैया घर बना लेती थी।उसके भीतर पलते पखेरुओं की चीं चीं से कमरा भर उठता था।अब तो ऐसी मनमोहक स्थिति लगभग खत्म हो चली है।अगर भूले से किसी घर के भीतर गौरैया घोसला बनाने लगे तो लोग उसे पहले ही भगा देते हैं।घर में कचरा फैला रही है ,खराब कर रही है कहते हुये गौरैया को पनाह देने में लोग हिचकते हैं।कई ऐसी घटनायें भी देखने को मिली है,जब घर के अंदर घूमते हुये पॅखे से टकरा कर गौरैया की जान चली गई।

गॉव शहरों में कटते पेड़,खेतों में कीटनाशक दवाईयों का छिड़काव,खेतों को प्लाट में बदलने की कार्यवाही से गॉव शहरों में क्रांक्रिटों का जाल बिछता चला जा रहा है।जिससे पक्षियों का जीवन दर्दनाक हो चला है। अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्षरत पक्षियों की वंश वृद्धि लगभग रूक सी गई है,अतः कहना होगा कि ‘‘थम गई है पक्षियों की ताल अपने गॉव में,बह रहा है क्रांक्रिटो का जाल अपने गॉव में‘‘।

अक्षय तृतीया पर लटकाएं सुराही

छत्तीसगढ़ के रीति रिवाज,तीज त्यौहार जनमन

को प्रकृति,पशु पक्षी से जुड़ने और उनके संरक्षक बनने का संदेश अनादिकाल से देते आ रहे हैं।ऐसा ही एक पर्व ÷अक्षय तृतीया÷ हैजिसे छत्तीसगढ़ में अक्ती के नाम से जानते हैं।,इस वर्ष अक्ती 3 मई को है।इस पर्व में मिट्टी के मटके,सुराही दान करने की प्रथा है।इस पर्व में प्यासों के लिए सुराही-मटके दान करने की परम्परा के साथ साथ पक्षियों के लिए सुराही से घोसला बनाने की अभिनव पहल करें।इस पहल से आपकी जिंदगी में खुशनुमा सुबह की शुरुआत अवश्य होगी।

खोह बन जाता है सुराही

सुराही- मटके केवल पानी भरने के लिए ही नहीं,बल्कि पक्षियों के घोसला बनाने के लिये भी बेहद उपयोगी है।गर्मी बीत जाने के बाद इन्हें फेंके नहीं।इन्हें पेड़ की शाखाओं पर,घरों में मुंडेर पर अथवा अन्य किसी भी सुरक्षित स्थान पर लटका दें। ऐसे लटके हुये सुराही में गौरैया,गिलहरी,उल्लू, नीलकंठ,पहाड़ी मैना,जैसे पक्षी बड़ी सहजता से अपना बसेरा बना लेते हैं।मानव समुदाय का सबसे करीबी पक्षी गौरैय्या को सुराही में घर बनाना विशेष पसंद है।आंगन में फुदकती गौरैया अहसास कराती है कि -परिंदे जिनके करीब होते हैं,वे बड़े खुशनसीब होते हैं। यह सर्वविदित है कि पुराने बृक्षों की संख्या लगातार घटती जा रही है। ऐसे बृक्षों की खोह में बसेरा बनाने वाले प्रजातियों के पक्षियों को विकल्प के रूप में पेड़ पर लटकते सुराही मिल जाते हैं।पेड़ों में लटकाए सुराही में बसेरा बनाकर वे बिना कैद किये आपके आसपास चहकते हुए परिवार के सदस्य बन जाते हैं।

दूसरों के लिए जीना भी पूजा है

पक्षी मित्र बनने,लुप्त होते पक्षियों को बचाने का उत्तम उपाय यही है कि उन्हें पिजरें में कैद करना तत्काल बंद कर दें।अपने करीब रखने के लिए घर आंगन के पेड़ पौधे,मुंडेर पर सुराही,मटकी बांधने के साथ ही हर सुबह दाना-पानी देना आरंभ करें। इससे बारहों महीना चौबीस घण्टे पक्षियों के कलरव से आपका मन आनंदित होगा।पक्षियों का परिवार आशीष देते हुए कहेगा- *समाज उसे ही पूजता है, जो अपने लिए ही नहीं दूसरों के लिए भी जीता है।

अतः धरा को हरा बनाने का संकल्प लेते हुये धरती के आभूषण पशु,पक्षी,पेड़ पौधे की हिफाज़त करें। याद रखें ऐसे सभी कार्य किसी ईबादत से कम नहीं है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

पैसे की ताकत देखिए... कि किसी

पैसे की ताकत देखिए... कि किसी भी टीवी चैनल पर यह खबर ज्यादा नहीं दिखाई...क पार्टी हरियाणा की कार्पोरेटर निशा सिंह दंगों की प्लानिंग रचने और दंगे भड़का ने व् आम लोगों पर दंगे और आगजनी के केस में अदालत द्वारा दोषी पाई गई... और उसे 7 साल की सजा सुनाई है...। **कुमार संतोष**

लोगों का अहंकार उन्हें यह स्वीकार

लोगों का अहंकार उन्हें यह स्वीकार नहीं करने देता कि वे नहीं जानते, और उन्हें जानने की जरुरत है। लोगों को यह डर होता है कि उनके जो विचार इतने लंबे समय से उनके मन में जड़ पकड़े हुए हैं, कहीं नई जानकारी उन्हें गलत न साबित कर दे। इसमें भी उनका अहंकार सामने आ जाता है। **संतोष कुमार मिश्रा**

खास पाती

सुबह मुहब्बत,शाम मुहब्बत

सुबह मुहब्बत,शाम मुहब्बत, और नहीं कुछ काम मुहब्बत! कभी..फूल सी कभी चाँद सी, मदिरा की हमनाम मुहब्बत.! इसकी, उसकी सबके मन की, फिर भी है बदनाम मुहब्बत! जर्रे जर्रे में है बिखरी, फिर भी है गुमनाम मुहब्बत! कितनी खूबसूरत है लगतीं, फिर भी है बेदाम मुहब्बत! राधा ..मीरा...या हों शबरी! सबकी है पैगाम मुहब्बत! लहर नदी झरना या सागर, पाषाणों में जाम मुहब्बत ! इन्सां होने की शर्त सकिरण ये ईश का दूसरा नाम मुहब्बत। **किरण मिश्रा**

उत्तराखंड एक पावर सरपल्स

उत्तराखंड एक पावर सरपल्स स्टेट है। आज हर राज्य जब बिजली के कमी बता रहा है।तभी हमारा राज्य बिजली बना रहा है। बेतहाशा गर्मी और बिजली कटौती से परेशान दोस्तों यही सही समय है उत्तराखंड नैनीताल में कुछ दिन गुजारने का। यहां न बिजली जाती है न लू चलती है। आ जाईये। पर्यटन ही जीवन है। **राजीव कुमार**

प्रेम की एक वेदना मिटाने

प्रेम की एक वेदना मिटाने की खातिर हजार वेदना पालना.....एक चेहरे की पहचान जब भी बदली पहली पहचान ढूंढना धरोहर की तरह विश्वास को यथावत सम्हालना कितना संघर्ष किया होगा मन ने पर खुद ही जीतना खुद ही हारना किर्चियों सा चुभता हर्फऔर लहूलुहान होकर भी मुस्कुराहट ओढ़कर निरंतर चलते रहना चलते रहना आखिरी सफर की आस लेकर आसान नहीं पर उतना कठिन भी नहीं शायद यही रहस्य है जीवन का यूं कहूं तो कुछ तो है सत्य या उससे पर।। **विजय लक्ष्मी राय**

जो उसे जान जाता है उसे छोड़

जो उसे जान जाता है उसे छोड़ जाता है। आप कितने भी सुंदर दिख लें ,लिख लें। मिट्टी दिख ही जाती है। हमेशा कहा.. आज फिर कहती हूं... बेशक फीके पड़ जाओ...कोई बात नहीं। रंग न बदलना...किसी हाल। जो गिनती में न आएं वो क्या दोस्त....जो भूले पर बिसरे नहीं ... बस वही दोस्त So called दोस्तों को विदा कहूंगी। **कल्पना पाण्डेय**

हमने गुजार दी इक उम्र सजदे

हमने गुजार दी इक उम्र सजदे में जिनके खबर फैल गई सहरा में तमाम ये बस वो न समझ पाए .! ठहरना था जिस दरख्त की छांव तले वो धूप में खड़ा था, पड़ गए छाले चलते चलते हम उस तक न पहुंच पाए ।मार कर ठोकर दिन के उजालों को रोकी थी एक रात जिनके लिए मैंने बस वो ना समझ पाए।। अब भी खिले खिले से है कुछ गुलाब किताबों में मेरे ये बात और है की हम है जरा मुरझाए । **किरन भण्डारी**

मैं बदली सी बावरी तुम बादल

मैं बदली सी बावरी तुम बादल से मीत गूंजेंगे इक साथ में , तेरे मेरे गीत स्वप्न तुम्हारे नाम का, कर लूँ मैं साकार क्षणभंगुर संसार में, बस तुम ही आधार बनी रहे ये एकता,रहे सलामत प्यार तेरे दिल पे हो गया,अब मेरा अधिकार माथे पे बिखरी किरण ,मुख चमके ज्यों धूप वो कहते मैं अप्सरा, मोहक मेरा रूप तुमसे अच्छा है नहीं, अब मेरा मनमीत तुमसे मन में सुर बजे,तुमसे लब पर गीत। - **निधि भार्गव मानवी**

QUIZ TIME

1) कजाखस्तान ने अपनी राजधानी अस्ताना का नया नाम अपने किस पूर्व राष्ट्रपति के नाम पर रखा है? (सुल्तान / नूरसुल्तान)

2) कौन उच्च स्तरीय भाषा को मशीनी भाषा में बदलती है?
(क) कम्पाइलर (ख) इण्टरप्रेटर (ग) एसेम्बलर

3) भारत में वर्तमान में 8 केन्द्रशासित प्रदेश हैं। (सही / गलत)

4) अंतरिक्ष में भेजा गया पहला कृत्रिम उपग्रह था-

5) कवि का नाम बतायें जिनका जन्म कीर्तिनगर (जनपदः टिहरी-गढ़वाल) में हुआ था?

Ramaquiz

उत्तरमाला-(1) नूरसुल्तान (2) कम्पाइलर (3) गलत, 9 (4) स्पूतनिक-1 (5) कवि वीरेन डंगवाल

आज का इतिहास

नयी दिल्ली(वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 02 मई की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1519 इटली के महान चित्रकार लिओनार्दो दा विंची का निधन। 1875 अमेरिका ने 20 सेंट का सिक्का ढालना बंद किया। 1885 बेल्जियम के राजा लियोपोल्ड द्वितीय ने स्वतंत्र स्टेट कांगों की स्थापना की। 1921 ऑस्कर पुरस्कार सम्मानित फिल्म निर्माता निर्देशक सत्यजीत रे का जन्म। 1922 भारत के पेशेवर बिलियर्ड्स खिलाड़ी विल्सन जोन्स का जन्म। 1929 भारतीय राजनीतिज्ञ एवं साहित्यकार विष्णु कांत शास्त्री का जन्म। 1929 भूटान के तीसरे राजा जिग्मे दोरजी वांग्चुक का जन्म। 1933 जर्मनी में हिटलर ने ट्रेड यूनियनों पर प्रतिबंध लगाया। 1945 जर्मनी की आर्मी ने इटली में आत्मसमर्पण किया। 1949 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की हत्या से संबंधित मामले की सुनवाई शुरू हुई। 1950 फ्रांस ने कोलकाता के पास स्थित अपने उपनिवेश चंद्रनगर को भारत सरकार को सौंपा। 1952 विश्व के पहले जेट विमान डी हैविलैंड कॉमेट वन ने लंदन से जोहान्सबर्ग तक उड़ान भरी। 1968 लोकसभा ने सार्वजनिक भविष्य निधि विधेयक पारित किया। 1985- प्रसिद्ध पत्रकार और साहित्यकार बनारसीदास चतुर्वेदी का निधन। 1986- अमेरिका की एन. बैन्क्राफ़उत्तरी ध्रुव पर पहुंचने वाली पहली महिला बनीं। 1997 ड्ड ब्रिटेन के संसदीय इतिहास में लेबर पार्टी नेता टोनी ब्लेयर सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बने। 1999- मिरया मोस्कोसो पनामा की प्रथम महिला राष्ट्रपति नियुक्त। 2003- भारत ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को फिर जोड़ने का ऐलान किया।

जन्म, जाति, आवास सहित कई प्रमाण पत्र मिलेंगे घर बैठे

■ 14 नगर निगमों में 13 सेवाएं शुरू, मुख्यमंत्री ने शुरू की मितान योजना

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रमिक दिवस के अवसर पर रायपुर स्थित अपने आवासीय कार्यालय से बटन दबाकर मुख्यमंत्री मितान योजना का शुभारंभ किया। वहीं मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री डॉ. शिव डहरिया ने झंडी दिखाकर डिलीवरी ब्वॉय को रवाना किया। प्रदेश के सभी 14 नगर निगम क्षेत्रों में प्रथम चरण में यह योजना लागू हो गई है। योजना के अंतर्गत नियुक्त मितान नागरिकों को 13 प्रकार की सेवाएं उनके घर तक पहुंचाकर उपलब्ध करायेंगी। मितान योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के माध्यम से सभी नागरिकों विशेषतः बुजुर्गों, दिव्यांगों एवं निरक्षरों को घर बैठे आसानी से कई प्रकार की सेवाएं घर बैठे ही मिल सकेंगी। अभी वर्तमान में 14 नगर निगमों में 13 प्रकार की सेवा उपलब्ध होगी, शीघ्र ही पूरे प्रदेश में इस योजना का विस्तार किया जाएगा और अन्य सेवाएं भी इस योजना के माध्यम से प्राप्त की जा सकेंगी। इस योजना के शुरू होने से सरकारी प्रक्रिया और आसान होगी।

इस तरह की सेवाएं मिलेंगी: मितान योजना के तहत अभी 13 सेवाओं को होम डिलीवरी के लिए उपलब्ध कराया गया है। इसमें जन्म प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दस्तावेज की नकल, भूमि रिकॉर्ड आदि की प्रति, दुकान पंजीकरण, भूमि की जानकारी और दस्तावेजों में सुधार आदि सेवाएं शामिल हैं।

टोल फ्री नंबर पर करना होगा कॉल

इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रदेश के सभ 14 नगर निगम क्षेत्र के रहवासियों को इस योजना के अंतर्गत सम्पर्क के लिए स्थापित टोल फ्री नम्बर 14545 पर कॉल करना होगा। उक्त टोल फ्री नम्बर पर सूचना किये जाने पर मितान आवेदक के पते पर पहुंच जायेंगे। उनसे ऑनलाईन जरूरी कागजातों की स्कैनिंग कर ले जाएंगे और काम हो जाने पर स्वयं उनके घर आकर उपलब्ध करा देंगे। आवेदक को इन सब कामों के लिए केवल 50 रूपये देने होंगे। लागत के बाकी की रकम लगभग 230 रूपये राज्य सरकार द्वारा दिया जायेगा। इससे नागरिकों को काफी राहत मिलेगी। तहसील, निगम आदि के बार-बार चक्कर लगाने नहीं पड़ेंगे।

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव आज पहुंचेंगे रायपुर

रायपुर/नवप्रदेश। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव दिनांक 2 मई 2022 सोमवार को इंडिगो के नियमित विमान सेवा द्वारा सुबह 1.45 बजे रायपुर पहुंचेंगे एवं सर्किट हाउस रायपुर में वरिष्ठ कांग्रेसजनों से भेट एवं चर्चा करेंगे। दोपहर 3 बजे रायपुर में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिनांक 3 मई 2022 मंगलवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव सुबह 9 बजे रायपुर से बिलासपुर के लिये रवाना होंगे। सुबह 11 बजे बिलासपुर में शहर एवं जिला कांग्रेस कमेटी, बिलासपुर के कार्यकारिणी एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक में भाग लेंगे। रात्रि 8 बजे रामदेव लॉन कोर्टयार्ड मैरियट, बिलासपुर में खाद्य मंत्री अमरजीत भगत के सुपुत्र के वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दिनांक 4 मई 2022 बुधवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव सुबह 9 बजे बिलासपुर से रायगढ़ के लिये रवाना होंगे। दोपहर 12 बजे रायगढ़ में शहर एवं जिला कांग्रेस कमेटी, कार्यकारिणी एवं ब्लाक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों की बैठक में भाग लेंगे।

दिनांक 5 मई 2022 गुरूवार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी डॉ. चंदन यादव नियमित विमान सेवा द्वारा रायपुर से नई दिल्ली के लिये रवाना होंगे।

पालक हो जाए सावधान! एफबी पर बच्चों को गलत दिशा देने वाले आने लगे विज्ञापन

रायपुर/नवप्रदेश। सावधान अगर आपका बच्चा मोबाइल चला रहा है तो अब आपको उस पर पैनी नजर रखनी होगी क्योंकि महानगरों की तर्ज पर अब राजधानी में भी बच्चों को गलत दिशा देने वाले फेसबुक पर विज्ञापन आने लगे हैं जिस पर खुलेआम लड़कियां युवाओं को चैटिंग करने अथवा फोन पर अश्लील बातें करने के लिए आमंत्रित करने लगी हैं। जी हां अब तक इस तरह की घटनाएं महानगरों में सुनने को मिल रही थी परंतु छत्तीसगढ़ में भी अब इस तरह के ब्लैकमेलर सोशल मीडिया में एक्टिव होकर छत्तीसगढ़ के सीधे-साधे युवाओं को अपनी गिरफ्त में लेने का प्रयास कर रहे हैं। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि इसके लिए बकायदा में फेसबुक पर विज्ञापन दे रहे हैं। अवगत हो कि वर्तमान समय में साइबर क्राइम लगातार बढ़ता जा रहा है तो वहीं महानगरों में फोन पर ही अंतरंग बातें कर युवाओं को उत्तेजित कर वीडियो कॉल के माध्यम से उनका स्क्रीनशॉट अथवा अन्य मोबाइल से वीडियो बनाकर ब्लैक मेलिंग करने के मामले लगातार सामने आते रहे हैं परंतु अब बाकायदा फेसबुक पर ही राजधानी रायपुर का नाम अंकित कर लड़कियों से चैट करने के लिए खुला खुला रहा है। ऐसी स्थिति में पलकों को अब अपने बच्चों पर पैनी निगाह रखने की सतत आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान समय में बैंक के अकाउंट खोलने क्रेडिट कार्ड को संचालित करने अथवा अमेजॉन में सामान खरीदे अथवा वापसी के भुगतान को लेकर तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर साइबर ठग साइबर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। जहां अनेकों बार ऐसी घटनाएं सामने आई हैं कि लोग अपने जीवन भर की पूंजी गवा बैठे हैं परंतु वही अब कुछ ठग फोन पर ही अश्लील चैटिंग अथवा वीडियो कॉल के माध्यम से उत्तेजित कर अमर्यादित तस्वीरें खींचने के उपरांत सीधे-सीधे ब्लैकमेल करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में बालकों के साथ-साथ उन युवाओं को भी समझना होगा कि इस तरह के किसी किसी भी महिला मित्र के झांसे में आकर अपना चारित्रिक चीरहरण ना होने दें।

क्या कहते हैं जिम्मेदार

इस मसले पर जब सिविल लाइन थाना प्रभारी सत्य प्रकाश तिवारी से जानकारी चाही तो उन्होंने बताया कि सर्वप्रथम तो सोशल मीडिया में किसी भी अनजान व्यक्ति से दोस्ती ना करने के साथ ही किसी तरह की वीडियो कॉल में बात नहीं करनी चाहिए और यदि इस तरह की कोई घटना हो जाती है तो मामले को दबाने की बजाय इसकी सूचना निकट तक संबंधित थाने को दी जानी चाहिए ताकि इस तरह के अपराधियों पर नकेल कसी जा सके नवप्रदेश से चर्चा करते हुए सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि आम लोग कम समय में ज्यादा पैसा कमाने अथवा अधिक मुनाफे के चक्कर में ही पढ़कर अपनी जमा पूंजी गंवा बैठते हैं कोई भी व्यक्ति यदि अत्यधिक ब्याज अथवा कम समय में पैसे को डबल करने का झांसा दे रहा हो तो ऐसे लोगों से हमेशा दूर रहना चाहिए अथवा इसकी सूचना तत्काल निकटतम थाने में देनी चाहिए ताकि लोगों की जमा पूंजी को डूबने से बचाया जा सके।

समता सैनिकों ने मठ्ठा वितरण किया

रायपुर/नवप्रदेश। समता सैनिक दल के तत्वधान में मजदूर दिवस के उपलक्ष में प्रदेश महासचिव वैशाली रंगारी, जिला अध्यक्ष विद्या बागडे के नेतृत्व में जिसमें समता सैनिक दल की सैनिकाए पुर्णिमा यसणकर मनिषा भास्कर वीणा राउत कांता सहारे ममता गजभीए जोत्सना मेश्राम रंजना गजभीए वैशाली मेश्राम किरण रामटेके सृष्टी बागडे सुनील गणविर धनराज रंगारी इन सभी की सहायता से मठठा वितरण का कार्य घड़ी चौक में बाबा साहब आंबेडकर जी की प्रतीमा के पास किया गया।

कलिंगा विश्वविद्यालय ने दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का किया आयोजन

रायपुर/नवप्रदेश। कलिंगा विश्वविद्यालय का कंप्यूटर विज्ञान और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग 4-5 मई, 2022 को इमर्जिंग कंप्यूटिंग टेक्नोलॉजीज में हाल में हुए नवाचारों पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित करने जा रहा है। कॉन्फ्रेंस कलिंगा विश्वविद्यालय के सभागार में हाइब्रिड (ऑनलाइन एवं ऑफ्लाइन) मोड में होगा।

कॉन्फ्रेंस के संयोजक कैलाश देवांगन, सहायक प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, कम्प्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रभारी ने बताया कि कॉन्फ्रेंस के लिए बड़ी संख्या में पंजीयन किये जा चुके हैं। इस कॉन्फ्रेंस में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग, डेटा माइनिंग और वेयरहाउसिंग एज कंप्यूटिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, वर्चुअल रियालिटी और ऑगमेंटेड रियालिटी, ब्लॉकचैन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 5%, डीप लर्निंग, साइबर सिक्योरिटी इमेज प्रोसेसिंग, स्पैटियल कंप्यूटिंग, कंप्यूटर विजन और डिजिटल हेल्थ जैसे विविध विषयों पर पेपर प्रस्तुत किये जाएंगे।

संगोष्ठी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के समारोह सभागार में सुबह 10:30 बजे मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) भिलाई के कुलपति डॉ. एम के. वर्मा और विशिष्ट अतिथि डॉ. कोकुला कृष्ण हरि रणनीति और नीति निदेशक, विश्व डेटा संगठन, लंदन, यूके की गरिमामयी उपस्थिति में किया जाएगा।

समापन समारोह 5 मई 2022 को दोपहर 3 बजे होगा जिसके मुख्य अतिथि डॉ. राजर्षि महापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर और डीन अकादमिक आईआईआईटी, नया रायपुर होंगे। मुख्य वक्ता डॉ. अरुणा ए देवस्कर प्रिंसिपल एटीएसएस कॉलेज ऑफ बिजनेस स्टडीज एंड कंप्यूटर एप्लीकेशन, पुणे, डॉ. वेंकन्ना यू, सहायक प्रोफेसर, आईआईआईटी नया रायपुर, डॉ. विजय एम वधाई निदेशक, एस्ट्यूट अकादमी, शिकागो यूएसए, डॉ. मनाली क्षीरसागर यशवंतराव चव्हाण इंजीनियरिंग कॉलेज एवं डॉ. धीमान साहा सहायक प्रोफेसर आईआईटी भिलाई होंगे।

अवैध तरीके से शराब परोसे रहे ढाबा संचालक जीएसटी के नाम पर खेल रहे बड़ा खेल!

नवप्रदेश लगातार

रायपुर/नवप्रदेश। राजधानी के आउटर में संचालित ढाबों तथा होटलों में जहां लगातार बिना परमिशन के ही शराब पिलाने का कार्य धड़ल्ले से चल रहा है तो वहीं जीएसटी के नाम पर भी इन ढाबा संचालकों द्वारा बड़ा खेल खेला जा रहा है जिससे राज्य सरकार को लगातार राजस्व क्षति उठानी पड़ रही है उल्लेखनीय है कि ढाबा संचालकों द्वारा पार्किंग स्थलों पर शराब परोसे जाने के दौरान पहुंचाए जाने वाली खाद्य सामग्री में 5 परसेंट बकायदा जीएसटी की राशि जोड़ी जा रही है जबकि ढाबा संचालकों द्वारा इन जगहों पर भेजे गए दिल एक प्लेन पेपर पर होते हैं ऐसी स्थिति में ग्रह को छू लेने वाली जीएसटी की राशि किसकी जेब में जा रही है इस बात का रिकॉर्ड ना तो ढाबा संचालकों के पास है और ना ही ग्राहकों के पास जो कि ग्राहकों को जो दिल दिए जा रहे हैं उसमें ना तो दुकानदार के जीएसटी नंबर अंकित है और ना ही दुकान का नाम पता और तो और कई जगहों पर यह स्थिति है कि दुकान की सील लगाकर वेटर जब भी लाता है तथा उक्त बिल के आधार पर पैसे लेकर जाने के उपरांत इस बिल को जमा करने के उपरांत ग्राहकों को नहीं दिया जा रहा है जिसके चलते ग्राहकों के पास भी जीएसटी का कोई रिकॉर्ड नहीं होता ऐसी स्थिति में सांस है कि जीएसटी के नाम पर भी यह ढाबा संचालक राजधानी के नाक के नीचे ही बैठकर सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं तो वही खुलेआम शराब पिलाकर शहर की कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राजधानी के आउटर क्षेत्रों में बने ढाबा संचालकों द्वारा लगातार अवैध शराब पिलाई जाने के मामले को लेकर नवप्रदेश ने प्रमुखता से समाचार प्रकाशित कर शासन प्रशासन का ध्यान केंद्र कराया था परंतु जिम्मेदार विभाग के अफसर इस मामले को लेकर लगातार चुप्पी साधे रहे तो कारवाही के संदर्भ में पूछे जाने पर कार्यवाही का ठीकरा अन्य अधिकारियों के सर पर मरते रहे जिससे यह तो साफ स्पष्ट है कि मुट्ठी भर अफसरों की मिलीभगत से यह ढाबा संचालक जहां सरकार को राजस्व की हानि पहुंचा रहे हैं तो वहीं खुलेआम शराब पिलाकर प्रदेश के मुखिया के मंसूबों पर पानी फेरने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

आबकारी व पुलिस का संरक्षण : ढाबों में खुलेआम बेची जा रही शराब!

चौक चौराहों पर हो रही चर्चा

जिस तरीके से ढाबा संचालक पार्किंग स्थलों पर खुले आम ग्राहकों को शराब परोस रहे हैं इस बात को लेकर नगर के प्रत्येक चौक चौराहों पर जमकर चर्चा बनी हुई है कि आखिर जब राजधानी का यह आलम है तो अन्य शहरों का क्या होगा आश्चर्यजनक बात तो यह है कि एक ओर जहां प्रदेश के मुखिया लगातार सदन दौरा कर राज्य की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार अथक प्रयास कर रहे हैं तो वही मुट्ठी भर ढाबा संचालक राजधानी के अवसरों में खुलेआम शराब पिलाकर राजधानी की कानून व्यवस्था का धंधा बना रहे हैं ऐसी स्थिति में ढाबा संचालकों पर कार्यवाही की मांग लगातार जोर पकड़ रही है।

शराब ठेकेदारों की तरह पालते हैं गुर्गे

खुलेआम शराब पिलाने वाले ढाबा संचालक बकायदा पार्किंग स्थलों के इर्द-गिर्द हाथ में लाठी तथा अन्य हथियारों से लैस ठेकेदारों की तर्ज पर गुंडे भी भी खड़े रखते हैं ताकि वाद विवाद की स्थिति में दबंगई पूर्वक मामले को निपटाया जा सके पार्किंग स्थलों पर शराब पीने वाले ग्राहकों के पास भेजे जाने वाली सामग्री के दाम बाजार मूल्य से लगभग 4 गुना अधिक दर होने के बावजूद ग्राहकों द्वारा विरोध किए जाने पर ढाबा संचालक के गुर्गे इर्द-गिर्द आकर खड़े हो जाते हैं क्योंकि ग्राहक वहां शराब का सेवन कर रहे होते हैं जिसके चलते हुए किसी प्रकार का वाद विवाद खड़े करने के बजाय चुपचाप ढाबा संचालक के मनमाने बिल को देकर वापस लौटने में ही अपनी भलाई समझते हैं जिसके चलते ढाबा संचालकों के हौसले लगातार बुलंद होते चले जा रहे हैं शीघ्र ही अगर इन पर नकेल नहीं कसी गई तो कभी भी विस्फोटक स्थिति निर्मित हो सकती है जिसकी जिम्मेदारी उन अधिकारियों की होगी जिन्हें इस क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

जिम्मेदारों की निगाहें न उठना संदिग्ध

विधानसभा रोड पर स्थित पेट्रोल पंप के समीप वीआईपी रोड आरंग जाने वाले मार्ग पर स्थित टोल प्लाजा के पहले जगमगाती लाइटों को देखकर सैकड़ों की तादाद में यहां खड़ी गाड़ियों को देखकर अंदाज लगाया जा सकता है कि कितनी निर्भीकता पूर्वक की ढाबा संचालक खुलेआम शराब का सेवन करवा रहे हैं इसके चलते जहां आने जाने वाले राहगीरों के साथ-साथ परिवार के साथ खाना खाने आने वाले लोगों को भारी दिक्कत का सामना करना पड़ता है परंतु जिम्मेदार लोगों की इस ओर अब तक निगाहें ना उठना अनेक संदिग्ध परिस्थितियों को जन्म देता है बाहर हाल सरकार को राजस्व की हानि पहुंचाने के साथ-साथ कानून व्यवस्था तोड़ने वाले ढाबा संचालकों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए ताकि आम जनता का विश्वास शासन प्रशासन पर बना रहे।

प्रेसवार्ता.. धरमलाल कौशिक ने एक बार फिर से हाईकोर्ट में याचिका लगाई, कांग्रेस-भाजपा में तकरार

भाजपा झीरम की जांच क्यों रोकना चाहती है : कांग्रेस

रायपुर/नवप्रदेश। नगरीय निकाय मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने राजीव भवन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि झीरम घाटी कांड पर गठित न्यायिक जांच आयोग को लेकर नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक ने एक बार फिर से हाईकोर्ट में याचिका लगाई है और नये आयोग को निरस्त करने की मांग की है। ये कोई पहली बार नहीं हुआ है जब भाजपा ने झीरम घाटी कांड की जांच में बाधा खड़ी करने की कोशिश की हो। झीरम घाटी कांड की जांच सबसे अधिक भाजपा के शासन काल में हुई। सीबीआई की जांच नहीं होने दे रहे थे, एनआईए की जांच रोक दिया था। एसआईटी की जांच नहीं होने देना चाहते थे। अब न्यायिक जांच आयोग की जांच को रोकना चाहते है। श्री धरमलाल कौशिक शायद ये भूल गये कि भाजपा के शासनकाल में 2013 से लेकर 2018 तक झीरम घाटी जांच आयोग की जांच पूरी नहीं हुई थी, कांग्रेस की सरकार बनने के बाद भी आयोग की समय वृद्धि की गई। आयोग ने समय वृद्धि के लिये फिर से शासन को लिखा था परंतु जस्टिस प्रशांत मिश्रा का तबादला हो जाने के बाद आयोग की ओर से राज्य शासन को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई थी। हमारी सरकार को लगता है कि झीरम घाटी कांड की जांच और गहन रूप से और दूसरे आयामों में भी करना जरूरी है जिसके बिना झीरम घाटी घटना का सच सामने नहीं आ पायेगा इसीलिये सरकार ने न्यायिक जांच आयोग का गठन किया है। झीरम घाटी कांड एक ऐसा कांड था जिसने कांग्रेस के नेतृत्व की एक पूरी पीढ़ी को ही समाप्त कर दिया था। स्वतंत्र भारत में हुई दुर्दान्त और हृदय विदारक घटना भारतीय जनता पार्टी के शासन काल में डॉ. रमन सिंह के राज में घटित हुई थी ये बात अब भारत के इतिहास से कभी मिटने नहीं वाली है। जैसे ही झीरम घाटी कांड की जांच की बात आती है पता नहीं भाजपा के बड़े-बड़े नेताओं के पेट में दर्द होने लगता है, किसी न किसी प्रकार से वे इसकी जांच को बाधित करने में जुट जाते हैं, कभी बयानबाजी करते हैं, कभी आंदोलन करते हैं, कभी कोर्ट की शरण में जाते हैं, पीआईएल दायर करते हैं, यानी किसी भी प्रकार से भाजपा झीरम घाटी की सम्यक जांच को होने ही नहीं देना चाहती है। भाजपा के नेता प्रतिपक्ष श्री धरमलाल कौशिक क्या इस बात से डरते हैं कि झीरम घाटी कांड की जांच से ऐसा कोई सच निकल कर आ जाएगा जिससे तत्कालीन भाजपा सरकार के किसी कुत्सित चेहरे पर से नकाब उठा जायेगा? क्या श्री धरमलाल कौशिक इस बात से डरते हैं कि उनके आका, तत्कालीन मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की सरकार की नाकामी, उनके द्वारा कांग्रेस की परिवर्तन यात्रा को सुरक्षा मुहैया करवाने में बरती गई घोर लापरवाही सामने आ जायेगी? धरमलाल कौशिक किस बात को छुपाना चाहते है, भाजपा किस बात से डर रही है? क्या श्री धरमलाल कौशिक इस बात से डरते हैं कि इस नक्सली घटना के पीछे की किसी बड़ी साजिश का पर्दाफाश हो जायेगा जिसका प्रभाव इनकी पूरी पार्टी पर पड़ सकता है? आखिर किसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं, धरमलाल कौशिक जी? आप अपनी अंतरात्मा से पूछिये कि यदि ये ही घटना भाजपा के नेताओं के काफिले के साथ हुई होती, यदि आपके बड़े नेता मारे गये होते तो भी क्या आप इसकी न्यायिक जांच को रोकने के इतने प्रयास करते? क्या हमारे शहीद नेताओं को, हमारे सुरक्षा बलों के जवानों को और इस घटना में मारे गये आम नागरिकों को न्याय पाने का अधिकार नहीं हैं? क्या सिर्फ आपके राजनीतिक स्वार्थ और डर के कारण हम इस झीरम घाटी कांड की जांच भी न करवाएं? भाजपा न्यायिक जांच आयोग का विरोध करके न्याय की आशा का गला घोंट रही है। उन सभी शहीदों की शहादत का अपमान कर रही है। हमारे नेताओं की दुखद मृत्यु का उपहास उड़ा रही है। पर धरमलाल कौशिक याद रखिये कि एक ऊपर वाले की अदालत भी होती है हमारे शहीदों के परिजनों के आंसूओं ने भगवान की अदालत में जो पिटीशन लगाई है उस पर ईश्वर ने आप लोगों के पापों की सुनवाई कर रखी है।

सरकार के नए नियमों को भाजपा ने बताया काला कानून

कानून वापस लेने सरकार को दिया 15 दिन का अल्टीमेटम

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की भूपेश बघेल सरकार द्वारा सार्वजनिक एवं निजी कार्यक्रमों के आयोजन के अनुमति के लिए जारी किए गए नए नियम को भाजपा ने काला कानून बताते हुए उसे मिनी इमरजेंसी की संज्ञा दी है। इसके विरोध में भाजपा ने सडक़ की लड़ाई लडऩे का ऐलान किया है। इस कथित मिनी इमरजेंसी को वापस लेने भाजपा द्वारा राज्य सरकार को 15 दिनों का अल्टीमेटम दिया गया। साथ ही चेतावनी दी है कि काला कानून वापस नहीं लिया तो भाजपा पूरे प्रदेशभर के जिला मुख्यालयों में 16मई को धरना-प्रदर्शन कर जेल भरो आंदोलन करेगी। राज्य सरकार द्वारा लोकतंत्र के अधिकारों के हनन के खिलाफ आंदोलन में भाजपा ने कार्यकर्त्ताओं के अलावा आम जनता से शामिल होने की अपील की है। यह बातें छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने रविवार को दुर्ग भाजपा कार्यालय में मीडिया से चर्चा में कही। इस दौरान राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय, सांसद विजय बघेल, जिला भाजपा प्रभारी पुरेन्दर मिश्रा, पूर्व केबिनेट मंत्री रमशिला साहू, पूर्व संसदीय लाभचंद बाफना, प्रदेश भाजपा मंत्री उषा टावरी, पूर्व महापौर चंद्रिका चंद्राकर , प्रदेश महिला मोर्चा सदस्य माया बेलचंदन,जिला भाजपा महामंत्री ललित चंद्राकर, नटवर ताम्रकार,जिला भाजपा मीडिया प्रभारी केएस चौहान एवं अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

प्रदेश भाजपाध्यक्ष साय ने कहा कि राज्य के भूपेश बघेल सरकार ने अपने कार्यकाल के सवा तीन साल पूरे कर लिए है लेकिन अब तक राज्य सरकार द्वारा अपने चुनावी घोषणा पत्र के वादों को पूरा नहीं किया गया है। जिनमें शराबबंदी, बेरोजगारी भत्ता, नियमितिकरण एवं अन्य घोषणाएं शामिल है। जिससे लोगों में आक्रोश है। यह आक्रोश राज्य सरकार के खिलाफ धरना-प्रदर्शन के रुप में नजर आ रहा है। राज्य सरकार लोगों के साथ न्याय करने के बजाय उल्टा उनके लोकतंत्र के अधिकारों के हनन पर उतर आई है। इसका बड़ा प्रमाण राज्य सरकार द्वारा सार्वजनिक व निजी कार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति के लिए जारी किए गए नए नियम है। साय ने नए नियमों को काला कानून बताते हुए कहा कि यह मिनी इमरजेंसी के समान है। इन नए नियम के तहत आयोजनों की अनुमति के लिए 15 बिंदु का आवेदन देना होगा। 19 कंडिका का पालन करना होगा। इन नियमों का पालन करना किसी भी राजनीतिक,धार्मिक व सामाजिक संगठनों के लिए संभव नहीं हो पाएगा। जिससे आयोजन की अनुमति नहीं मिल पाएगी। लेकिन भाजपा द्वारा राज्य सरकार के इस काले कानून को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भाजपा द्वारा राज्य सरकार को काले कानून को वापस लेने के लिए 15 दिनों का समय दिया गया है।

राज्यसभा सांसद सरोज पांडेय ने एक सवाल के जवाब में कहा कि खैरागढ़ उप-चुनाव में भाजपा हारी नहीं है। कांग्रेस ने चुनाव में धन, बल व प्रलोभन का सहारा लिया। खैरागढ़-गंडई-छुईखदान को जिला बनाने मुख्यमंत्री को तीन साल ज्ञान नहीं आया। प्रत्याशी घोषित होने के बाद उन्होने जिला बनाने के ब्रम्हास्त्र का उपयोग किया। जिला बनाने के इस प्रलोभन के बल पर ही कांग्रेस चुनाव जीतने में सफल रही लेकिन भाजपा के जनाधार को कांग्रेस कम नहीं कर पाई। मीडिया से चर्चा के दौरान जिला भाजपा उपाध्यक्ष कांतिलाल बोथरा, अजय तिवारी, मंत्री दिनेश देवांगन, मनोज मिश्रा, गजेन्द्र यादव, दीपक चोपड़ा, सांसद प्रतिनिधि मनोज शर्मा, जिला भाजयुमो अध्यक्ष नितेश साहू, महामंत्री गौरव शर्मा, राजा महोबिया के अलावा अन्य कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

श्रमिकों के सम्मान के लिए एसएलआरएम सेंटर में हुआ कार्यक्रम

दुर्ग/नवप्रदेश। अंर्तराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत पर गर्व महसूस करते हुए, श्रमिको के सम्मान में एसएलआरएम सेंटर में आज बोरे बासी तिहार का आयोजन नगर पालिक निगम द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री विधायक अरुण वोरा, महापौर श्री धीरज बाकलीवाल, छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा आयोग के उपाध्यक्ष श्री आरएन वर्मा, निगम आयुक्त श्री हरेश मंडावी स्वास्थ्य अधिकारी श्री गिरीश दिवान,नोडल अधिकारी श्री जावेद अली कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। जहां उन्होंने स्वच्छता दीदियों के साथ बोरे बासी खाकर श्रम को सम्मान दिया। इस अवसर पर श्री अरुण वोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने हमेशा ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति को बढ़ावा दिया है। वर्तमान पीढ़ी छत्तीसगढ़ संस्कृति और परंपरा से जुड़ी रहे इसलिए मुख्यमंत्री ने खानपान के प्रति प्रेम के साथ ही श्रम का सम्मान करने की भावना के साथ यह अपील की है। मुख्यमंत्री के बोरे बासी खाने के इस अपील से वास्तव में लाखों श्रमिकों, हमालों, मजदूरों का सम्मान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छता दीदियों के साथ बोरे बासी खाकर वो अत्यंत आनंदित और गौरवान्वित महसूस कर रहे है। वही महापौर श्री धीरज बाकलीवाल ने भी कहा की मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की यह अपील श्रमिकों के प्रति उनके मन में सम्मान और अपनेपन को दर्शाता है।

दुर्ग/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री के मंशा अनुरूप छग की संस्कृति और विरासत पर गर्व महसूस करते हुए श्रमिको के सम्मान में स्वच्छता दीदियों के साथ बोरे बासी खाकर विधायक,महापौर एव आयुक्त ने किया मजदूरों का सम्मान ।

दुर्ग/नवप्रदेश। अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर धीरज बाकलीवाल ने अपने निवास पर बोरे बासी का आनंद लिया व श्रमिक दिवस के अवसर पर मजदूरों का सम्मान करते हुए उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी।

मोर मकान-मोर चिन्हारी की योजना से मिलेगा आवास

खुद का पक्का मकान नहीं, किराएदारी में कर रहे हैं निवास तो यह योजना आपके लिए है लाभदायी

भिलाई नगर/नवप्रदेश। हर व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसका खुद का घर हो जहां वह अपने परिवार के साथ हंसी खुशी से रह सके। परंतु कई अभाव के कारण चाहे वह आर्थिक स्थिति हो या जमीन खरीदने की समस्या या फिर मकान निर्माण करने की समस्या हो। कई कारणों से कमजोर वर्ग आए के परिवार को इन समस्याओं का सामना करना पड़ता है। लेकिन अब इन समस्याओं को दूर करने शासन से एक अच्छी स्कीम ऐसे वर्गों के लिए आई है। जिनके पास देश में किसी भी स्थान पर पक्का आवास नहीं है, 31 अगस्त 2015 के पूर्व भिलाई में निवासरत है, जिनकी आय 3 लाख से कम है, किरायेदारी में निवास कर रहे है और छत्तीसगढ़ प्रदेश का मूल निवासी है। इन्हें मोर मकान-मोर चिन्हारी के तहत आवास का

लाभ मिलेगा। सर्वप्रथम नाला, केनाल, झुग्गी, झोपड़ी, स्लम एरिया में निवासरत लोगों को मोर मकान-मोर चिन्हारी के तहत आवास देने की योजना है, ऐसे परिवारों को आवास योजना से जोड़ने अंतिम अवसर दिया जा रहा है उन्हें सूचना देकर 30 दिवस के भीतर निर्धारित राशि एवं दस्तावेज जैसे मतदाता परिचय पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, छत्तीसगढ़ निवासरत होने का साक्ष्य, दिव्यांग हो तो दिव्यांगता प्रमाण पत्र, पट्टा हो तो पट्टा की मूल प्रति, बैंक पासबुक की छाया प्रति, शपथ पत्र, आय प्रमाण पत्र आदि जमा करने की सूचना दी जा रही है। इन हितग्राहियों के आवास नहीं लेने पर किराएदारी में रह रहे लोगों को आवास देने का मौका मिलेगा जिसके लिए जल्द ही आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। मोर मकान-मोर चिन्हारी के तहत माइलस्टोन स्कूल खमरिया में 810, ग्रीन वैली खमरिया में 84, सूर्या विहार मॉल के पास खमरिया में 1120, सूर्या विहार मॉल के पीछे खमरिया में 493, कोहका में 58, कृष्णा इंजीनियरिंग कॉलेज के पीछे खमरिया में 322 एवं एनआर स्टेट खमरिया में 210 मकान का कार्य निर्माणाधीन और प्रगति पर है, इनमें से अधिकतर मकानों का स्ट्रक्चर खड़ा हो चुका है, केवल कुछ कार्य जैसे पानी, बिजली के कार्य ही शेष है। निर्मित मकानों की बात करें तो सर्व सुविधा युक्त आवास में पानी, बिजली, सड़क, नाली जैसी तमाम सुविधाएं मौजूद है और एक आलीशान कॉलोनी से कम का मंजर नहीं दिखाई देता। अम्रपाली वनांचल सिटी में 312, शांति नगर कोहका में 36, ट्रेंचिंग ग्राउंड कुरूद के समीप 32 इस प्रकार कुल 380 मकान हितग्राहियों के लिए पूरी तरीके से रहने के लिए तैयार हो गए हैं। कई हितग्राही आबंटन के पश्चात इसमें निवासरत भी है। महापौर नीरज पाल ने आवास योजना का लोगों को अधिक से अधिक लाभ दिलाने के निर्देश दिए है। वही आयुक्त प्रकाश सर्वे ने मोर मकान-मोर चिन्हारी योजना के तहत आवास का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवास योजना के कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करें और निरंतर इसकी मानिटरिंग करते रहे। महापौर व आयुक्त के निर्देश के परीपालन में योजना की प्रभारी अधिकारी विनीता वर्मा ने पूरी रूपरेखा तैयार कर ली है और इस आधार पर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

विधायक वोरा ने बोरे बासी खाकर श्रमिकों का किया सम्मान

दुर्ग/नवप्रदेश। श्रमिक दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा बोरे बासी खाने की अपील के बाद दुर्ग के वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने आज रविवार को सुबह 9 बजे श्रमिक चौक, गोंडवाना भवन और एलएलआरएम सेंटर में बोरे बासी खाकर श्रमिकों का सम्मान किया। इससे पहले पूर्वी ब्लाक व दक्षिण ब्लाक कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में वोरा ने गोंडवाना भवन में श्रमिकों का गमछा पहनाकर सम्मानित किया। यहां आयोजित कार्यक्रम में करीब सौ से ज्यादा श्रमिकों और कांग्रेसजनों ने बोरे बासी खाकर श्रमिकों का सम्मान बढ़ाया।

इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने कहा कि श्रमिक समाज का बहुत महत्पूर्ण हिस्सा हैं। उनकी श्रमशक्ति के कारण ही देश दुनिया का विकास हो पा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने श्रमिकों की शक्ति और मेहनत को नमन करते हुए छत्तीसगढ़ की संस्कृति, परंपरा और खानपान के प्रति प्रेम को बढ़ावा देने के लिए आज बोरे बासी खाने की अपील की। इस अपील से लाखों श्रमिकों, हमालों, मजदूरों का सम्मान बढ़ा है। पूरे छत्तीसगढ़ में आज श्रमिकों के सम्मान में बोरे बासी खाने के साथ ही श्रमिकों की श्रम शक्ति का सम्मान किया जा रहा है।

एसएसआरएम सेंटर में महिला श्रमिकों के साथ बोरे बासी खाते हुए विधायक अरुण वोरा, राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा, महापौर धीरज बाकलीवाल, निगम कमिश्नर हरेश मंडावी व अन्य निगम अधिकारीबोरे बासी छत्तीसगढ़ का ऐसा भोजन है जो बचे हुए चावल को पानी में भिगोकर रात भर रख कर बनाया जाता है। सुबह उसमें हल्का नमक डालकर टमाटर की चटनी या अचार और कच्चे प्याज के साथ खाया जाता है। छत्तीसगढ़ के लोग प्रायः सुबह बासी का ही नाश्ता करते हैं। बोरे बासी खाने से न सिर्फ गर्मी और लू से राहत मिलती है, बल्कि बीपी कंट्रोल रहता है डि-हाइड्रेशन की समस्या नहीं होती है। इस मौके पर दुर्ग के महापौर धीरज बाकलीवाल, पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष आरएन वर्मा, ब्लाक कांग्रेस अधक्ष्य अजय मिश्रा, राजकुमार पाली, सुशील भारद्वार, पप्पू श्रीवास्तव, देवेश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन व श्रमिक मौजूद थे।

शतरंज को बढ़ावा देने के लिए दुर्ग संघ सम्मानित

दुर्ग/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ द्वारा बीते कल रायपुर के होटल ग्रेंड इम्पीरिया में वार्षिक आम सभा की बैठक में प्रदेश शतरंज संघ के संरक्षक गुरुचरण सिंग होरा, प्रदेश अध्यक्ष राघवेंद्र सिंघानिया, महासचिव विनोद राठी, उपाध्यक्ष अंतराष्ट्रीय शतरंज खिलाडी किरण अग्रवाल, भावना, सचिव हेमंत खूंटे एवं कोषाध्यक्ष प्रदीप दास द्वारा दुर्ग जिला शतरंज संघ को श्री जलाराम ट्रॉफी राज्य

स्तरीय ओपन शतरंज स्पर्धा एवं सीनियर महिला शतरंज चयन स्पर्धा के शानदार आयोजन के लिए ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रदेश में शतरंज को बढ़ावा देने एवं शानदार आयोजन के लिए दिया गया।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत, सचिव मिथिलेश बंजारे, उपाध्यक्ष दिनेश जैन, एस के भगत, नागेश्वर राव, कोषाध्यक्ष तुलसी सोनी, सहसचिव संजय खंडेलवाल ने अथितियों के हाथों उक्त ट्रॉफी ग्रहण की। जिला शतरंज संघ को सम्मानित किए जाने पर शतरंज संघ के उपाध्यक्ष दिनेश नालोडे, मोरध्वज चंद्राकर, ललित वर्मा, अजय राय, एस के भगत, सह सचिव पालकी ताम्रकार, दिव्यांशु उपाध्याय, राकी देवांगन एवं हरीश सोनी, जवाहर सिंह राजपूत, मयंक सिंह भारद्वाज सहित अनेक लोगों ने खुशी जताई है।

दुर्ग में तीन स्वामी आत्मानंद स्कूल का प्रस्ताव शासन को भेजे–वोरा

दुर्ग/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा 50 नए स्वामी आत्मानंद स्कूल खोलने की घोषणा कर वरिष्ठ कांग्रेस विधायक अरुण वोरा ने स्वागत किया है। वोरा ने कहा कि हर वर्ग के बच्चों को अंग्रेजी माध्यम से पढऩे का मौका देने की मुख्यमंत्री की नीति अभिनंदनीय है। इस योजना से समाज के हर वर्ग को समान रुप से शिक्षा हासिल करने का मौका मिल रहा है। 172 स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रारंभ होने के बाद लगातार एडमिशन के लिए होड़ मची है। सीटें बढ़ाने के बावजूद एडमिशन लेने वालों की संख्या में कमी नहीं आ रही है। श्री वोरा ने 28 अप्रैल को मुख्यमंत्री के भिलाई प्रवास के दौरान स्वामी आत्मानंद स्कूलों की संख्या बढ़ाने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने अगले ही दिन 29 अप्रैल को प्रदेश में 50 नए स्कूल प्रारंभ करने की घोषणा कर दी। वोरा ने कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे से दुर्ग के तीन स्कूलों को स्वामी आत्मानंद स्कूल के रुप में अपग्रेड करने का प्रस्ताव शासन को भेजने कहा है। कलेक्टर से कहा कि दुर्ग शहर में वर्तमान में केवल दीपक नगर में ही स्वामी आत्मानंद स्कूल प्रारंभ है। पटरीपार और बोरसी में एक-एक स्कूल के साथ ही चंद्रशेखर आजाद स्कूल को भी स्वामी आत्मानंद स्कूल के रुप में अपग्रेड किया जाना चाहिए। इन स्कूलों को अपग्रेड करने के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा जाए। ताकि दुर्गवासियों को उत्कृष्ट शिक्षा देने की योजना का लाभ मिल सके।

आधी रात को बेंड हो गया बिजली का पोल

दुर्ग/नवप्रदेश। रात करीब 1 बजे किल्ला मंदिर के पास बिजली का पोल बेंड होकर पूरी तरह झुक गया। पोल इतना झुका कि इसके ऊपर का हिस्सा सड़क के दूसरी ओर बने मकान पर टिक गया। बिजली के दर्जनों तार भी सड़क पर लटकने लगे। गनीमत रही कि यह दुर्घटना आधी रात को हुई, जिसके कारण कोई जनहानि नहीं हुई। वर्ना बड़ा हादसा होने का अंदेशा था। विधायक अरुण वोरा को आज इसकी खबर मिलने पर वे आज सुबह 8 बजे मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी कलेक्टर डॉ सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे को दी। वोरा ने सीएसईबी के वरिष्ठ अधिकारियों को भी इस घटना के बारे में बताया। वोरा ने इस घटना पर चिंता जताते हुए तत्काल आवश्यक रखरखाव और मरम्मत आदि के कार्य करने के निर्देश दिये। वोरा ने कहा कि आधी रात को घटना स्थल पर चहल पहल नहीं थीए उसी दौरान यह पोल मुड़ हो गया। विद्युत कंपनी के अफसर ऐसे सभी पोल, ट्रांसफार्मर व बिजली के तारों का रखरखाव नियमित रूप से करें, ताकि इस तरह के हादसे न होने पाएं। वोरा ने कहा कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न होने पाएए जिससे जन या धन हानि हो। जरूरी है कि बचाव के लिए समुचित इंतजाम किये जाएं। मौके पर विधायक वोरा के साथ महापौर धीरज बाकलीवाल, एमआईसी मेंबर मनदीप सिंह भाटिया, बिजेंद्र भारद्वाज, अनिल ताम्रकार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

गौठान का हो रहा कायाकल्प, अदरक, हल्दी, नेपियर घास की खेती के साथ, बदक, कुक्कुट, मच्छली पालन की हुई शुरूवात

- बंदर के आतंक से बचने अदरक और हल्दी की खेती की जा रही है
- हमर गौठान बना मल्टी एक्टीविटी सेंटर
- गौठान से मिलेगा महिला समूह की आजिविका को बल

दुर्ग/नवप्रदेश। नगर पालिक निगम, दुर्ग क्षेत्र में संचालित शासन के मंशा के अनुरूप महती व महत्वकांक्षी योजना पुलगांव स्थित गौठान का कायकल्प हो रहा है । कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूहों की देख-रेख में नगर निगम की अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों की सतत् निगरानी एवं मॉनिटरिंग से गौठान में नित नये नवाचार हो रहे है । गो-पालन के साथ-साथ मत्स्य पालन, कुक्कुट पालन, बदक पालन के अलावा नेपियर घास, अदरक हल्दी की खेती शुरूवात हो चुकी है । फलदार वृक्ष, आम, पपीते की पौधा रोपण कर गौठान क्षेत्र को संरक्षित किया जा रहा है । गौठान संचालन कर रही कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह के द्वारा यह कार्य सुचारू रूप से संचालित की जा रही है । जो खेती की शुरूवात हुई है उसका परिणाम आने वाले छः माह में समिति को लाभ मिलना

शुरू हो जायेगा । इस तरह यह गौठान महिला समूह की आजिविका का एक कारगर संसाधन बनने जा रहा है । गौठान द्वारा वर्तमान में धूप, बत्ती, दिये, गमले, गोनाईल (फिनायल), पंचदीप, दंत मंजन का निर्माण किया जा रहा है । जिससे समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ अर्जित हो रहा है । वर्तमान में कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह द्वारा गौठान में 260 गायों की देखभाल की जा रही है । सतत् निगरानी के अलावा इन गौवंशो को समय-समय पर चिकित्सा सुविधा मुहैय्या कराया जा रहा है, गौवंश को आवश्यकता अनुसार चारा, पानी दी जाती है व समुचित सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही है । इन गौवंशो की देख-रेख के लिए दो पहटिया है जिनके द्वारा नियमित और निरंतर निगरानी रखी जाती है तथा बीमार पशुओं को तत्काल चिकित्सा मुहैय्या कराई जाती है, इसके अलावा एक व्यक्ति प्रबंधक के तौर पर गौठान का देख-रेख के लिए तैनात है जोकि पूरा समय यहां देते है । नगर निगम क्षेत्र के पुलगांव स्थित गौठान का संचालन कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह द्वारा किया जा रहा है । इसके अलावा महापौर श्री धीरज बाकलीवाल व आयुक्त श्री हरेश मंडावी की दिशा-निर्देश में एक पांच सदस्यीय संचालन समिति गठित की गई है । इस समिति में एम आई सी सदस्य, एल्डरमैन, पार्षद व महिला समूह की एक सदस्य शामिल है । कल्याणम् महिला स्व0-सहायता समूह की महिलाएं द्वारा रोजगार मुलक पंचदीप, धूपबत्ती गमले के साथ, गोबर के कण्डे का भी निर्माण किया जाता है, इस कण्डे का उपयोग वर्तमान में शिवनाथ नदी स्थित मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के लिए किया जाता है । इस कण्डे के नियमित उठाव होने से समूह की महिलाओं को आर्थिक लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री की अपील पर अधिकारियों व आम लोगों ने बोरे बासी का लिया आनन्द

■ गजब विटामिन भरे है छत्तीसगढ़ के बासी में

गरियाबंद/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ की समृद्ध परंपरा तथा विरासत का लगातार प्रसार तथा इसे जन जन तक पहुंचाने के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री भुपेश बघेल जी के द्वारा आज 1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर महनतकश कर्मठ मजदूरो के सम्मान दिवस पर बोरे बासी खाने का अपील किया ।जिसका असर देखने को मिला, गरियाबंद जिले के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ,मजदूर साथियों और आम लोगों ने बोरे ड्डबासी का सेवन किया। इस अवसर को ऐतिहासिक बताते हुए जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री संजय नेताम ने कहा कि वास्तव में भूपेश बघेल सरकार छत्तीसगढ़ की संस्कृति और अस्मिता को बचाए रखने तथा उसे और महान बनाने की दिशा में अग्रसर है। आज इस अवसर पर उन्होंने बोरे बासी खाकर मजदूर दिवस मनाया जनपद उपाध्यक्ष देवभोग सुखचंद बेसरा ,भाजी और चटनी के साथ खाया। जनपद पंचायत देवभोग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एम एल मंडावी और जनपद सदस्य ने भी एक साथ सामूहिक रूप से बासी का सेवन कर श्रमिकों का सम्मान किया। राजिम के युवा प्रतिनिधि विकास तिवारी ने भी बासी खाकर संदेश दिया। अनुविभागीय अधिकारी राजिम अविनाश भोई, अनुविभागीय अधिकारी छुरा, शीतल बंसल, मैनपुर सूरज साहू, जनपद पंचायत छुरा की मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं डिप्टी कलेक्टर रुचि शर्मा ने चटनी के साथ बोरे बासी का आनंद लिया। जिला शिक्षा अधिकारी करमन खटकर, जिला कोषालय अधिकारी बीके तिवारी ने भी बोरे बासी खाकर छत्तीसगढ़ की परंपरागत आहार के प्रति गर्व महसूस किया। समाज कल्याण के उपसंचालक मिथिलेश देवांगन, सहायक जनसंपर्क अधिकारी पोषण साहू ने भी खट्टा भाजी, प्याज और मही के साथ बोरेबासी का आनंद लेते हुए मजदूर साथियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।

बोरे बासी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत मुख्यमंत्री ने कराया भान : प्रज्ञा निर्वाणी

बेमेतरा/नवप्रदेश। 1 मई सिर्फ श्रमिक दिवस ही नहीं अब छत्तीसगढ़ के मूल नागरिकों के खान पान में सदियों से चले आ रहे चावल के बोरे बासी के दिवस के रूप में भी राज्य मना रहा हैं। राज्य स्थापना के 22 सालों बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मई दिवस को राज्य की खान पान की संस्कृति बोरे बासी को पूरे देश से अवगत करा दिया है, इस पर हमें गर्व हैं। जिस तरह बिहार में लिट्टी चोखा, दक्षिण में इडली, मध्यप्रदेस में दाल बांटी उसी तरह हमारे प्यारे छत्तीसगढ़ का यह बोरे बासी राज्य का पहचान बनेगा। जिला पंचायत सदस्य प्रज्ञा निर्वाणी ने ग्राम पंचायत बैजी में जाकर पंच, सरपंच और ग्रामीण महिलाओं के साथ बोरे बासी खा, कहा यह हमारी पूर्वजो की विरासत है पीढ़ियों तक रहेगी, सिर्फ मजदूरों या श्रमिकों का नहीं छत्तीसगढ़ के परमपरागत जीवन शैली में गर्मी के दिनों का मुख्य आहार हैं। गाँव मे तो यह अभी भी है पर शहरो से होते जा रहे लुप्त इस भोजन को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के आह्वान के पश्चात लोगों ने बड़े शौक़ और गर्व के साथ खाया ही नही बल्कि अपने सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे दुनिया जहान को बताया भी हैं।

प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा गाँवों में श्रमिक महिलाएं अक्सर सुबह अधिक मात्रा में चावल बना और फिर उसे दूसरे पहर भी खा ने के लिए पानी मे भीगा देती हैं और बड़े चाव से उसमे दही मिलाकर आम के अचार, कच्चे प्याज, हरि मिर्च और पताल की चटनी के साथ पूरे परिवार सहित बैठ खाते हैं, सेहद के दृष्टिकोण से भी गर्मी के दिनों में बोरे बासी सुपाच्य, रुचिकर और गर्मी के दिनों में भोजन के प्रति अरुचि को दूर कर शरीर को ठंडा रखतीं है, बोरे बासी मूलतः ठंडी तासीर की होती है यही कारण की छत्तीसगढ़ भोजन शैली गर्मी का मुख्य आहार रहा हैं। उपस्थित महिलाओ ने कहा कि मुख्यमंत्री जी ने हमारे बोरे बासी का ही नही बल्कि हमारा सम्मान बढ़ाया हैं। चिंता मंडल बाड़ा बैजी में बोरे बासी खा रही महिलाओ ईश्वरी बाई, गायत्री वर्मा, मालती वर्मा, सावित्री वर्मा, गीता वर्मा से प्रज्ञा ने कहा पहले बोरे बासी सब के सामने खाने में झिझक होती थी, पर मुख्यमंत्री के बोरे बासी दिवस की घोषणा के बाद सब के सामने सम्मान से खाएँगे और खिलाएंगे भी।

टैंकर का आयल गिरने से सड़क में बनी फिसलन की स्थिति

बोड़ला/नवप्रदेश। चिल्फी थाना क्षेत्र के नागमोनई घाट एन एच30 में चिल्फी घाट से उतर रहे टैंकर से सड़क में आयल गिरने से घाटी क्षेत्र के 4 से 5 किलोमीटर के क्षेत्र में फिसलन की स्थिति निर्मित हो गई है बाइक सवार घाटी में पड़े आयल से फिसल कर गिर रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही घटनास्थल पर चिल्फी थाना प्रभारी बृजेश सिन्हा के निर्देशन में डायल 112 एवं पुलिस बल मौके पर पहुंच व्यवस्था को संभाल लिए थे। जानकारी देते हुए डायल 112 के आरक्षक हसनैन खान व चालक दुभित साहू ने बताया कि आज रविवार सवेरे 4 बजे के आसपास सूचना प्राप्त हुई की घाटी क्षेत्र में आइल गिरने से आने जाने में लोगों को परेशानी हो रही है घाटी क्षेत्र में चिल्फी की ओर से 4 से 5 किलोमीटर के बाद किसी टैंकर से आयल गिर कर सड़क पर बिखर गया था टैंकर चालकजिससे गाड़ियों का आना जाना मुश्किल हो गया है आज सवेरे 4:00 बजे के आसपास चिल्पी घाट उतार रही थी टैंकर के पीछे से आयल गिर रहा था जिसकी जानकारी चालक को नहीं हुआ फल स्वरुप चिल्फी घाटी क्षेत्र में 4 से 5 किलोमीटर क्षेत्र में पूरे सड़क आयल से तर बतर हो गया

वनवे हो गई थी घाटी की सड़क

सड़क में आयल गिरने से घाटी क्षेत्र का रोड लगभग वन वे हो गया था दोपहर 11 बजे तक सिर्फ गाड़ियां बमुश्किल चढ़ रही थी घाटी क्षेत्र में लेकिन गाड़ियां उतर नहीं पा रही है उतरते समय मोटरसाइकिल कार जीप के अलावा बड़ी गाड़ियां को भी घाट उतरते समय मुश्किल हो रही है इसलिए जबलपुर की ओर से आनेवाली गाड़ियां सुबह 4 बजे से 11 बजे तक फंसी रही इस तरह घण्टो घाटी क्षेत्र वनवे हो गया था।

चिल्फी प्रभारी बृजेश सिन्हा ने बताया की आयल गिरने की खबर मिलते ही पुलिस सक्रिय होकर यातायात व्यवस्था को सम्हालने में लग गई थी सड़क में बिखरी आयल के कारण यातायात बहाल करने के लिये सड़क पर मुरुम मिट्टी डाला गया पहले से टैंकर से गिरा आइल4 से 5 किलोमीटर के दायरे में सड़क पर फैल गया है जिससे यातायात व्यवस्था कुछ हद तक के अवरुद्ध हो गई हैं हालांकि जल्द ही पुलिस के जवान के द्वारा व्यवस्था कर यातायात व्यवस्था चालू करवा दी गई।

जिस स्थान में कभी हुई पुलिस-नक्सली मुठभेड़ उस स्थान में आज लिया बोरे-बासी का मजा

कवर्धा/नवप्रदेश। जिला कबीरधाम के वनॉचल अति नक्सल संवेदनशील क्षेत्र ग्राम बकौदा क्षेत्र के आसपास क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों में अंकुश लगाये जाने डॉ. लाल उमेद सिंह, पुलिस अधीक्षक कबीरधाम के मार्ग-निर्देशन एवं नेतृत्व में नक्सल गस्त पार्टी रवाना हुई थी। ग्राम बकौदा वनांचल क्षेत्र जिला कबीरधाम का वह क्षेत्र है जहॉ पूर्व में नक्सल घटना घटित हो चुकी है तथा पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुआ है। उक्त क्षेत्र में नक्सल गस्त के दौरान पुलिस अधीक्षक कबीरधाम द्वारा शासन के मंशानुरूप नक्सलियों को आत्मसर्मपण किये जाने पाम्पलेट पोस्टर चस्पा किया गया तथा छत्तीसगढ़ की संस्कृति और विरासत पर गर्व महसूस करते हुए क्षेत्र का नक्सल गतिविधियों से मुक्त कराने के उद्देश्य से 01 मई 2022 '' विश्व श्रमिक दिवस'' के अवसर पर गस्त पर गये पुलिस अधिकारी श्री कौशल किशोर वासनिक, उप पुलिस अधीक्षक नक्सल, श्री पंकज पटेल उप पुलिस अधीक्षक एवं साथी पुलिस जवानों के साथ बोरे बासी का आनंद लिया गया तथा पुलिस अधीक्षक कबीरधाम द्वारा साथी पुलिस जवानों को बोरे-बासी भोजन को गर्मी के दिनों में खाने से शरीर ठंडा रहता है, मोटापे से बचाता है और मांशपेशियों को ताकत पहूंचाता है और पाचन शक्ति मजबूत बनाता है एवं बोरे बासी में सारे पोषक तत्व मौजूद रहते हैं, जो शारीरिक क्षमता को बढ़ाता है। यूं तो छत्तीसगढ़ की संस्कृति अनुसार इस सुपाच्य व ऊर्जा दायक भोजन का आनंद समय-समय पर हम सभी लेते हैं, लेकिन आज विश्व श्रमिक दिवस के अवसर पर पुरे राज्य में एक साथ हमारी संस्कृति और विरासत को नई पीढ़ी को देते व सिखाते हुए स्वंय को गौरवान्वित महसूस किया तथा श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कबीरधाम द्वारा भी छत्तीसगढ़ की परम्परा अनुरूप अपने परिवारजनों के साथ बोरे-बासी भोजन का लुत्फ उठाया।

अक्ती त्यौहार से पहले सजा बाजार

बोड़ला/नवप्रदेश। अक्षय तृतीया अक्ति त्यौहार के पहले मिट्टी के बर्तनों से नगर के साप्ताहिकबाजार सज गए हैं बढ़ती महंगाई में त्योहारों को भी महंगा कर दिया है इनकी कीमत अब की बार थोड़ी ज्यादा है और तपती दोपहरी में क्षेत्र के कुम्हार ग्राहक की तलाश में बाजार में बैठे नजर आ रहे हैं

अक्षय तृतीया पर्व की तैयारियां जोरों पर

अखती अक्षय तृतीया का त्यौहार मात्र 2 दिन ही शेष है इस दिन के लिए आवश्यकता पड़ने वाले सामानों को लेकर कुम्हारों ने अपने बाजार सजा लिये है झुलसा देने वाली इस आग की तरह भारी गर्मी में भी इन्होंने मानो ने भारतीय संस्कृति और त्योहारों को विलुप्त इसे बचाने का बीड़ा उठा कर रखा है पेट की आग बुझाने के लिए कुम्हारन इस झुलसा देने वाली गर्मी में भी ग्राहकों का इंतजार कर रहीं हैं ।गौरतलब है कि अक्षय तृतीया के दिन मिट्टी के बर्तन का महत्व है गुड्डा गुड़िया का विवाह भी बच्चे रचाते हैं इसके लिए बोड़ला के साप्ताहिक बाजार में कुम्हारों द्वारा चिलचिलाती धूप में पसरा लगाया गया है ।इस बार दुकान में दिया कलश धूप दान गुड्डा गुड़िया और मिट्टी के घड़े लाए गए हैं बढ़ती महंगाई और तालाबों से मिट्टी नहीं मिलने की वजह से कुम्हारों इन्हें बनाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

गुड्डे गुड़ियों का दाम इस बार 50 रू. से लेकर 200 रू. तक रखे गए आकर्षक और विशेष साज-सज्जा के साथ गुड्डा गुड़िया को बनाया गया है जो बच्चों को काफी पसंद आएगा। कुम्हार परिवारों ने मीडिया के माध्यम से गुहार लगाई है कि इस चीज चिलचिलाती गर्मी में उन्हें शासन प्रशासन से कोई मदद नहीं मिलती छांव की व्यवस्था नहीं है जिस प्रकार से अन्य बाजार व सामाजिक लोगों के लिए सेड व अन्य शासकीय योजनाओं की व्यवस्था की जाती है वैसे ही कुम्हारों के लिए भी सेड बनाया जाए जिससे उनका परम्परागत पेशा अच्छी तरीके से चल सके।

मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन ऐसे विवाह भी मान्य होते हैं जिनका मुहूर्त साल भर नहीं निकल पाता दूसरे शब्दों में ग्रहों की दशा के चलते अगर किसी व्यक्ति की विवाह का दिन नहीं निकल रहा है तो अक्षय तृतीया के दिन बिना लग्न और मुहूर्त विवाह होने से उसका दांपत्य जीवन सफल हो जाता है इसी कारण अन्य राज्यों में भी अक्षय तृतीया के दिन हजारों की संख्या में शादियां होती है इस प्रकार पूरे क्षेत्र में क्षेत्र के अंतर्गत त्योहार को मनाने की तैयारी की जा रही है इसी कड़ी में बाजारों में मिट्टी के बर्तनों गुड्डे गुड़ियों का बाजार सज गया है

छत्तीसगढ़ में राम कथा महाभारत भरथरी गाथा ढोला मारू लोरिकायन छत्तीसगढ़ी रंग में रंग कर विशिष्ट अंदाज में पीढ़ी दर पीढ़ी कथा वाचन की समृद्ध परंपरा के दम पर जन-जन कण-कण में परिवार है छत्तीसगढ़ दुनिया भर की श्रेष्ठ परंपराओं को अपने ही ढंग से ग्रहण करता है भाषा व्यवहार आचरण और परंपरा का छत्तीसगढ़ी अंदाज है इसलिए ज्ञानी और ज्ञानियों को चकित करता है इस तरह पूरे प्रदेश में अक्षय तृतीया अर्थात अखती के दिन गांव-गांव व सभी समाज के लोगों के द्वारा विवाह किया जाता है।

तहसीलदार ने चलवाया अवैध निर्माण पर बुलडोजर

पिथौरा/नवप्रदेश। पिथौरा नगर से लगे ग्राम लाखागढ़ पंचायत के पूर्व एन. एच. रोड़ पर अवैध निर्माण तोड़ने की कार्रवाई में चला बुलडोजर पूरा मामला पिथौरा तहसील के अन्तर्गत ग्राम लाखागढ़ पंचायत के तालाब को पाट कर अवैध निर्माण किया जा रहा था जिसकी शिकायत पूर्व सरपंच अजहर हसन निवासी लाखागढ़ और शशिकला यादव ने तहसील कार्यालय में कल दिनांक 30/04/22 को की थी जिसपर पिथौरा तहसीलदार ने अतिक्रमण कर्ता को काम बंद करने को कहा था किन्तु शासकीय भुमि पर निर्माण कार्य बिना रोके लगातार चालू रहा शिकायत कर्ता के द्वारा जिला कलेक्टर को आनलाईन शिकायत की गई तहसीलदार पिथौरा ने दिनांक 1/05/22 शाम बुलडोजर लेकर अतिक्रमण स्थल पहुँच

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई।

कब्जा लाखागढ़ सरपंच खुद कर रहा था?

मौके पर मिली जानकारी के अनुसार तालाब की भुमि पर कब्जा खुद सरपंच कर रहा है ये बात वहाँ पर मौजूद लोग कह रहे थे बाकी सच्चाई जांच व पंचनामा में सामने आयेगी

करोड़ों की भुमि पर भूमाफिया की नजर

पिथौरा नगर से लगे ग्राम लाखागढ़ का तालाब एन. एच. 53 से लगा हुआ है रोड़ से लगे होने के कारण किमत करोड़ में आंकी जाती है अतिक्रमण करने के लिए तालाब को पाटने का काम लगातार हो रहा था किन्तु नगर-ग्राम वासी समझ नहीं प रहे थे अतिक्रमण होने पर खेल समझ आया।

अन्य भुमि पर भी किया जा चुका है कब्जा

इसी प्रकार नगर पिथौरा के लगे लाखागढ़ ग्राम पंचायत में पिथौरा धान संग्रहण केन्द्र पर रोड़ के उपर अवैध अतिक्रमण किया जा चुका है तत्कालीन तहसीलदार के द्वारा इस प्रकार की कार्रवाई नहीं की गई जिस कारण शासकीय भुमि पर निर्माण कार्य किया जाता रहा है इस प्रकार की कार्रवाई से शासकीय भुमि पर अवैध निर्माण कार्य पर रोक लगाई जा सकती है।

नगर पालिका परिसर में बोरे बासी वितरण किया गया

कुम्हारी/नवप्रदेश। विश्व श्रमिक दिवस 1 मई को सभी श्रमिकों को सम्मानित किया जाता है। इस विशेष दिवस पर नगर पालिका कुम्हारी में बोरे बासी तथा छत्तीसगढ़िया व्यंजन वितरित किया गया। अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर ने सभी को बधाई एवं शुभकामनाएं देकर कहा कि समस्त नागरिकों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग एवं जागरूक होना नितांत आवश्यक है। छग. शासन की महत्वाकांक्षी स्वच्छता एवं स्वास्थ्य संबंधी योजना का लाभ स्वयं तथा अपने परिवार को दिलाएं। नगरपालिका परिषद कुम्हारी के सभी श्रमिकों ने बोरे बासी, गोंदली, आम का अचार, पताल की चटनी और अमारी भाजी का रसास्वादन किया और चलित स्वास्थ्य वाहन में अपने स्वास्थ्य का परीक्षण भी कराया। इस आयोजन में के.रवि कुमार उपाध्यक्ष, पार्षद थानेश पटेल, मनहरण यादव, प्रमोद सिंह राजपूत, जानकी ध्रुव, यूजेन्द्र रीना साहू, किशोर ललिता सोनकर, कुमारी बाई निषाद, देवेन्द्र साहू लेखराम साहू, निलिश देवांगन तथा मुख्य नगरपालिका अधिकारी जीतेंद्र कुशवाहा एवं समस्त कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

नोवा नेचर सदस्य ने अजगर को सुरक्षित जंगल में छोड़ा

कुम्हारी/नवप्रदेश। केडिया डिस्टिलरी के कूलिंग टॉवर मे वहाँ कार्यरत सुपरवाईजर ललित साहू ने एक अजगर सांप देखा। अजगर के विशाल आकार को देखते ही अफरा तफरी मच गई। जिसकी सूचना तत्काल उन्होंने नोवा नेचर के सदस्य अवध बिहारी जी को दिया। नोवा नेचर के सदस्य ने अविलंब वहाँ पहुँचकर उक्त अजगर सांप का सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू किया। तथा लोगो को सांपो के बारे में जानकरी दी और लोगो से साँपो को ना मारने की अपील की। तत्पश्चात

सांप को लेकर वन विभाग के अधिकारियों को सूचित किया गया और उन्ही की उपस्थिति में सांप को सुरक्षित जंगल में छोड़ा गया। वन विभाग के अधिकारियों मे, व्यास नारायण साहू जी, परिक्षेत्र लिपिक, विकाश जांगिड़ वन रक्षक, सूरज पटेल, लीलाधर महिलांग, और जुनैद कुरैशी आदि अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग
उद्घोषणा
अ-06/वर्ष 20-21/22
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अजय कुमार देवांगन पिता ठाकुर राम देवांगन निवासी ग्राम कोहका तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 15000/1 का टु. रकबा 1198 वर्गफुट भूमि को विक्रेता पार्टनर विश्वास गुप्ता पिता स्व. अशोक गुप्ता निवासी ग्राम बोरसी रोड पोटियाकला से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 13/4/22 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 9/5/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होंगे पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/4/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।
जारी दिनांक 22/04/2022
सुनवाई दिनांक 09/05/2022
सील — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग
उद्घोषणा
अ-06/वर्ष 20-21/22
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रवित कुमार रामटेके पिता बिसाहू राम रामटेके निवासी ग्राम दन्तेवाड़ा तहसील व जिला दन्तेवाड़ा के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 15000/1 का टु. रकबा 1486वर्गफुट भूमि को विक्रेता पार्टनर विश्वास गुप्ता पिता स्व. अशोक गुप्ता निवासी ग्राम बोरसी रोड पोटियाकला से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 28/2/22 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 9/5/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होंगे पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/4/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।
जारी दिनांक 22/04/2022
सुनवाई दिनांक 09/05/2022
सील — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग
उद्घोषणा
अ-06/वर्ष 20-21/22
एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती ममता गुप्ता पति वीरेन्द्र कुमार गुप्ता निवासी ग्राम तहसील दुर्ग जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 369/25, 377/3, 369/26, 372/4 का टु. रकबा 0.013 भूमि को विक्रेता पार्टनर विश्वास गुप्ता पिता स्व. अशोक गुप्ता निवासी ग्राम बोरसी रोड पोटियाकला से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 30/4/22 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 9/5/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होंगे पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 22/4/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।
जारी दिनांक 22/04/2022
सुनवाई दिनांक 09/05/2022
सील — तहसीलदार दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग
उद्घोषणा
प.नं. 202204100400381
एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र कुमार साहू आ. हीरा लाल साहू निवासी-दल्लीराजहरा बालोद द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि ग्राम सिकोला प.ह.नं. 17/8 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नं. 6/10 रकबा 0.017 हे. 1800 वर्गफीट (आवासीय) प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. की धारा 59(2) के तहत पुर्ननिर्धारण बाबत आवेदन प्रस्तुत किया है जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।
अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा-आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा प्रकाशन के 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
यह उद्घोषणा आज दिनांक 26/04/2022 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।
सील — अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक 202204101000159
विषय-अ-6 मामले की श्रेणी- राजस्व सन् 2021-22
कुरूद प.ह.नं. 00050 (हे.)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार - राम भजु प्रसाद गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार -
ईश्तहार
आवेदक-राम भजु प्रसाद गुप्ता पिता स्व. राम जनम प्रसाद पता वैदिक नगर नई बस्ती देहरादू (उत्तराखंड) द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 19 अ रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 442/1 रकबा 0.01 हे./980 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 11/01/2019 को विक्रेता जागेश्वर पिता परसुराम अन्य 01 निवासी लीला मंच कुरूद भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.05.2022 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 22/04/2022 को जारी किया जाता हैं।
सील — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई के न्यायालय में मामला क्रमांक 202204101000158
विषय-अ-6 मामले की श्रेणी- राजस्व सन् 2021-22
कुरूद प.ह.नं. 00050 (हे.)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार - राम भजु प्रसाद गुप्ता,
अनावेदक पक्षकार -
ईश्तहार
आवेदक-राम भजु प्रसाद गुप्ता पिता स्व. राम जनम प्रसाद पता वैदिक नगर नई बस्ती देहरादू (उत्तराखंड) द्वारा ग्राम कुरूद प.ह.नं. 19 अ रा.नि.मं. कोहका तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 442/1 रकबा 0.01 हे./1440 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 11/01/2019 को विक्रेता- जागेश्वर पिता परसुराम अन्य 01 अन्य निवासी लीला मंच कुरूद भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।
अतएव इस संबध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 11.05.2022 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 22/04/2022 को जारी किया जाता हैं।
सील — अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
व्यक्तिगत सूचना
(रा.प्र.क्र./202203101000053/358 अ-6 /वर्ष 2021-22)
प्रति,
जागेश्वर, उत्तम कुमार पिता परसूराम
निवासी-लाली मंच के पास कुरूद भिलाई
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
पक्षकार- श्रीमती आशा देवी शाह पति श्रीमल प्रसाद
निवासी- कैम्प 01 भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
विरूद्ध
छ.ग. शासन
आपको सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती आशा देवी शाह पति श्रीमल प्रसाद ग्राम कुरूद प.ह.नं. 19अ रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 442/1 रकबा 0.01 हे./1055 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 11/01/2019 को विक्रेता-जागेश्वर पिता परसुराम अन्य 01 निवासी कुरूद भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।
अतः इस संबंध में आपको किसी प्रकार के दावा करता हो तो स्वयं या आपके द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से पेशी दिनांक 11/05/2022 को दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 20/04/2022 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
सील — अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
व्यक्तिगत सूचना
(रा.प्र.क्र./202203101000053/358 अ-6 /वर्ष 2021-22)
प्रति,
जागेश्वर, उत्तम कुमार पिता परसूराम
निवासी-लाली मंच के पास कुरूद भिलाई
तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
पक्षकार- श्रीमती आशा देवी शाह पति श्रीमल प्रसाद
निवासी- कैम्प 01 भिलाई तह. व जिला दुर्ग (छ.ग.)
विरूद्ध
छ.ग. शासन
आपको सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती आशा देवी शाह पति श्रीमल प्रसाद ग्राम कुरूद प.ह.नं. 19अ रा.नि.मं. कोहका, तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 442/1 रकबा 0.01 हे./1055 वर्गफीट भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर बैनामा दिनांक 11/01/2019 को विक्रेता-जागेश्वर पिता परसुराम अन्य 01 निवासी कुरूद भिलाई से क्रय किया है कि नामांतरण किए जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।
अतः इस संबंध में आपको किसी प्रकार के दावा करता हो तो स्वयं या आपके द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से पेशी दिनांक 11/05/2022 को दावा/ आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।
आज दिनांक 20/04/2022 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।
सील — अतिरिक्त तहसीलदार भिलाई नगर

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर सबने परिवारजनों के साथ बैठ कर खाया बोरे बासी

- सबने कहा-गजब के स्वाद हे बोरे-बासी म
- छत्तीसगढ़ की जीवनशैली का अहम हिस्सा है 'बासी'
- सेहद के लिए कई गुणों से परिपूर्ण है बोरे बासी
- कलेक्टर रमेश शर्मा ने मजदूर दिवस की बधाई दी

कवर्धा/नवप्रदेश । छत्तीसगढ़ में इस बार अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस 1 मई को अलग ही अंदाज में मनाया गया। अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर श्रमिकों के सम्मान स्वरूप मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के अह्वान पर जिले के जनप्रतिनिधि, सभी अधिकारी, श्रमिक किसान, गणमान्य नागरिक, और जनसमान्य सभी ने छत्तीसगढ़ के लोकप्रिय आहार बोरे-बासी का आंनद लिया। खासकर छत्तीसगढ़ की कबीरधाम जिले के आदिवासी एवं विशेष पिछड़ी बैगा जनजाति बाहूल्य बोड़ला और पंडरिया विकासखण्ड के सूदूर वनांचलों में रहने वाले वनवासियों को मुख्यमंत्री के इस पहल ने इस बार अपनापन का अहसास भी करा दिया। जिले के कोटवार से लेकर कलेक्टर और दिहाड़ी मजदूर से लेकर भूमिहार किसानों ने भी अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर छत्तीसगढ़ की प्रसद्धि व्यंजन में शामिल बोरे बासी का आनंद लिया।

कलेक्टर श्री रमेश कुमार शर्मा, पुलिस अधीक्षक डॉ लाल उम्मेद सिंह, वनमंडलाअधिकारी श्री चुरामणि सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री संदिप अग्रवाल और कवर्धा नगर पालिका अध्यक्ष श्री ऋषि कुमार शर्मा ने अपने परिवार जनों के साथ बोरे बासी, प्याज,चेज भासी, आमारी बाजी, जड़ी सब्जी और बड़ी-बिजौड़ी के साथ इस प्रसिद्ध आहार बासी का आनंद लिया। कलेक्टर श्री शर्मा ने जिले वासियों को मजदूर दिवस की बधाई देते हुए कहा कि आज का दिन श्रमिक भाईयों और मजदूरों के लिए है। जिले में जिस-जिस स्थानां पर मनरेगा के कार्य चल रहे है, वहां सभी स्थानों पर एक ही समय पर आज श्रमिक भाईयों को खाना-खाने के लिए समय निर्धारित किया था। सभी ने अपने-अपने टिफिन से बोरे बासी का एक साथ आंनद भी लिया। बोरे बासी सेहद के लिए लाभदायक है। इससे हमारे शरीर को ठंडकता मिलती है। उर्जा का प्रमुख स्त्रोत भी है। लू और गर्मियों से बचाने में बोरे बासी सभी गुण भी है।

जिले के कवर्धा,बोड़ला, पंडरिया, और सहसपुर लोहारा जनपद पंचायत सीईओ और उनके अमलों ने एक साथ बासी-चटनी खाकर इस दिवस को समर्मित किया। इसके साथ ही पंडरिया एसडीएम श्री डीएल डाहिरें, बोड़ला एसडीएम श्री पीसी कोरे, कवर्धा एसडीएम श्री विनय सोनी जिले के सभी अधिकारीगण श्री एस एस कुर्रे, श्री भूपेन्द्र ठाकुर, सतीश पटले, विनोद कोचे, पन्ना लाल धुर्वे,गुलाब डड़सेना, आरती पांडेय,हरिश सक्सेना सभी अधिकारियों ने श्रमिकों के सम्मान में अपने - अपने परिवारजनों के साथ बोरे बासी का आनंद लिया।

बोरे-बासी खाने से लाभ

बोरे-बासी के सेवन से नुकसान तो नहीं लाभ कई हैं। इसमें पानी की भरपूर मात्रा होती है, जिसके कारण गर्मी के दिनों में शरीर को शीतलता मिलती है। पानी की ज्यादा मात्रा होने के कारण मूत्र उत्सर्जन क्रिया नियंत्रित रहती है। इससे उच्च रक्तचाप नियंत्रण करने में मदद मिलती है। बासी पाचन क्रिया को सुधारने के साथ पाचन को नियंत्रित भी रखता है। गैस या कब्ज की समस्या वाले लोगों के लिए यह रामबाण खाद्य है। बासी एक प्रकार से डाइयूरेटिक का काम करता है, अर्थ यह है कि बासी में पानी की भरपूर मात्रा होने के कारण पेशाब ज्यादा लगती है, यही कारण है कि नियमित रूप से बासी का सेवन किया जाए तो मूत्र संस्थान में होने वाली बीमारियों से बचा जा सकता है। पथरी की समस्या होने से भी बचा जा सकता है। चेहरे में ताजगी, शरीर में स्फूर्ति रहती है। बासी के साथ माड़ और पानी से मांसपेशियों को पोषण भी मिलता है। बासी खाने से मोटापा भी दूर भागता है। बासी का सेवन अनिद्रा की बीमारी से भी बचाता है। ऐसा माना जाता है कि बासी खाने से होंठ नहीं फटते हैं। मुंह में छाले की समस्या नहीं होती है।

बासी का पोषक मूल्य

बासी में मुख्य रूप से संपूर्ण पोषक तत्वों का समावेश मिलता है। बासी में कार्बोहाइड्रेट, आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, विटामिन्स, मुख्य रूप से विटामिन बी-12, खनिज लवण और जल की बहुतायत होती है। ताजे बने चावल (भात) की अपेक्षा इसमें करीब 60 फीसदी कैलोरी ज्यादा होती है। बासी को संतुलित आहार कहा जा सकता है। दूसरी ओर बासी के साथ हमेशा भाजी खाया जाता है। पोषक मूल्यों के लिहाज से भाजी में लौह तत्व प्रचुर मात्रा में विद्यमान रहते हैं। इसके अलावा बासी के साथ दही या मही सेवन किया जाता है। दही या मही में भारी मात्रा में कैल्शियम मौजूद रहते हैं। इस तरह से सामान्य रूप से बात की जाए तो बासी किसी व्यक्ति के पेट भरने के साथ उसे संतुलित पोषक मूल्य भी प्रदान करता है।

बोरे और बासी बनाने की विधि

जहां बाकी व्यंजनों को बनाने के कई झंझट हैं, वहीं बोरे और बासी बनाने की विधि बहुत ही सरल है। न तो इसे सीखने की जरूरत है और न ही विशेष तैयारी की। खास बात यह है कि बासी बनाने के लिए विशेष सामग्री की भी जरूरत नहीं है। बोरे और बासी बनाने के लिए पका हुआ चावल (भात) और सादे पानी की जरूरत है। यहां बोरे और बासी इसलिए लिखा जा रहा है मूल रूप से दोनों की प्रकृति में अंतर है।

बोरे से अर्थ, जहां तत्काल चुरे हुए भात (चावल) को पानी में डूबाकर खाना है। वहीं बासी एक पूरी रात या दिनभर भात (चावल) को पानी में डूबाकर रखा जाना होता है। कई लोग भात के पसिया (माड़) को भी भात और पानी के साथ मिलाने में इस्तेमाल करते हैं। यह पौष्टिक भी होता है और स्वादिष्ट भी। बोरे और बासी को खाने के वक्त उसमें लोग स्वादानुसार नमक का उपयोग करते हैं।

प्याज, अचार और भाजी बढ़ा देते हैं स्वाद

बासी के साथ आमतौर पर प्याज खाने की परम्परा सी रही है। छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में प्याज को गोंदली के नाम से जाना जाता है। वहीं बोरे या बासी के साथ आम के अचार, भाजी जैसी सहायक चीजें बोरे और बासी के स्वाद को बढ़ा देते हैं। दरअसल गर्मी के दिनों में छत्तीसगढ़ में भाजी की बहुतायत होती है। इन भाजियों में प्रमुख रूप से चेंच भाजी, कांदा भाजी, पटवा भाजी, बोहार भाजी, लाखड़ी भाजी बहुतायत में उपजती है। इन भाजियों के साथ बासी का स्वाद दुगुना हो जाता है। इधर बोरे को दही में डूबाकर भी खाया जाता है।

गांव-देहातों में मसूर की सब्जी के साथ बासी का सेवन करने की भी परंपरा है। कुछ लोग बोरे-बासी के साथ में बड़ी-बिजौरी भी स्वाद के लिए खाते हैं।

36 माह से 500 शिक्षकों का पेंशन सिस्टम की राशि जमा नहीं, जिम्मेदारों ने साधी मौन

देवभोग/नवप्रदेश। मुख्यालय सहित गांव गांव में धुप छांव आंधी तूफान बरसात देखे बिना बच्चो को शिक्षा देने वाले गुरुओं को ब्लॉक में अपने हक नेशनल पेंशन सिस्टम की राशि के लिए पिछले 36 माह से हलाकन होना पड़ रहा है। जबकि राशि को जिला पंचायत भेजकर मिलान करते सीधा शिक्षको के खाते में पैसा डालना होता है। लेकिन यह प्रक्रिया 36 माह बाद भी पूरा नही हो पाया है। यहां बताना लाजमी होगा कि शिक्षको की वेतन से 10 प्रतिशत और शासन से 10 प्रतिशत की राशि नेशनल पेंशन सिस्टम के कटौती होती है । और उक्त राशि के साथ पूरी कागजात जनपद से होकर जिला पंचायत से संबधित ऐजेंसी को भेजा जाता है । इसके बाद वह राशि सीधा शिक्षको के खाता मे एक मुश्त जमा होती हैं।लेकिन देवभोग के करीब 550 शिक्षको का एक करोड से अधिक राशि अब तक शिक्षकों के अकाउंड में नहीं आया है जबकि 2 साल से अधिक का राशि बचत है । जिससे शिक्षको में जिम्मेदारों के खिलाफ रोष व्याप्त हैं। क्योंकि लंबे समय से अटकी नेशनल पेंशन सिस्टम की राशि को लेकर अधिकारियो को कई दफा अवगत कराया जा चुका है। जानकारी अनुसार जनपद से राशि के साथ पूरी दस्तावेज जिला पंचायत में जमा किया है।लेकिन अब तक शिक्षकों को मिलान नहीं होने के चलते एजेंसी को ट्रांसफर नहीं हो पाया है। और यह प्रक्रिया को संपादन में लगातार उदासीन बरतने का आरोप लगाया जा रहा है। क्योंकि इस ब्लॉक की अपेक्षा सभी ब्लॉक के शिक्षको को नेशनल पेंशन सिस्टम का पैसा आंबटित हो चुका है।

नवमीं का परिणाम रहा शतप्रतिशत इंटरनेट में भी जारी किया गया परिणाम

प्रथम (92.33%) द्वितीय (87.33%) तृतीय (76.17%)

खरोरा;/नवप्रदेश। 30 अप्रैल को शासकीय हाई स्कूल धिवरा में कक्षा नवमीं के परिणाम की घोषणा की गई तथा परिणाम 100त्न रहा जिसमें प्रथम स्थान - कु. पूजा वर्मा (92.33त्न) द्वितीय स्थान - कु. मुस्कान वर्मा (87.33त्न) तृतीय स्थान - कु. चंचल धीवर (76.17त्न) ने प्राप्त किये, यह उत्कृष्ट परिणाम विद्यार्थियों के कड़ी मेहनत के साथ साथ प्रभारी प्राचार्य श्री दीपक गुप्ता, श्री प्रभाकर नायक, श्री नीलकमल सायतोड़े, श्री चंद्रप्रकाश ढिढि व श्रीमती कविता कुर्रे जी के उत्कृष्ठ अध्यापन व मार्गदर्शन से ही संभव हो पाया है, श्री चंद्रप्रकाश ढिढि जी के जी के द्वारा परिणाम को इंटरनेट पर भी जारी किया गया है ताकि विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम जानने में परेशानी न हो तथा घर बैठे ही यह सुविधा प्राप्त हो सके। कक्षा नवमीं के सभी विद्यार्थियों के साथ - साथ विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं को उत्कृष्ट कार्य हेतु शुभकामनाएं प्रदान करते हुए संकुल केन्द्र धिवरा समन्वयक श्री कैलाश बघेल ने यह विज्ञप्ति जारी किया

श्रम दिवस पर श्रमदान कर श्रमिकों के साथ विधायक ने खाया बोरे बासी

संसदीय सचिव ने की श्रमिकों के सुखमय और उज्ज्वल भविष्य की कामना

महासमुन्द/नवप्रदेश।। ग्राम पंचायत खरोरा के बंधवा तालाब में संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल की अगुवाई में मजदूर दिवस के अवसर पर श्रमदान किया गया। इस दौरान श्रमवीरों के साथ बोरे बासी खाकर सभी श्रमिकों के सुखमय और उज्जवल भविष्य की कामना की।

आज रविवार को श्रम दिवस के अवसर पर संसदीय सचिव व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ग्राम पंचायत खरोरा पहुंचे। जहां बंधवा तालाब में श्रमदान किया और श्रमिकों के साथ बोरे बासी खाया। उन्होंने इस दौरान बताया कि वे खुद गर्मी के दिनों में अपने घर पर बासी खाते हैं। यह लू और डिहाइड्रेशन से बचाता है। इससे शरीर में ठंडक बनी रहती है। इसलिए सुबह आचार, भाजी और टमाटर चटनी के साथ इसे परोसा जाता है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा श्रम दिवस पर बोरे बासी खाने की पहल किये जाने से छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और परंपरा का संरक्षण होगा। प्रदेश सरकार द्वारा पीढ़ियों से चली आ रही बोरे बासी खाने की परंपरा को एक बार फिर जीवित किया जा रहा है। इस अवसर पर सरपंच सुनीता देवदत्त, सरपंच संघ अध्यक्ष वीरेंद्र चंद्राकर, दिलीप चंद्राकर, उपसरपंच हेमलता कौशल चंद्राकर, भूमिका चंद्राकर, तेजराम चंद्राकर, शीला कनोजे, परेमिन बांधे, कमला धीवर, संजय साहू, मनोज चंद्राकर, आशा परमार, हेमेंद्र चंद्राकर, एवं समस्त ग्रामवासी उपस्थित थे।

गौठान ग्राम राखी में मनाया जायेगा अक्ती तिहार

बेमेतरा/नवप्रदेश। प्रदेश में अक्षय तृतीया को ÷माटी पूजन दिवस÷ के रूप में मनाया जाएगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की घोषणा का परिपालन करते हुए निर्देश जारी कर दिए गए हैं। साथ ही राज्यभर में कार्यक्रम आयोजित कर धरती माता की रक्षा की शपथ ली जाएगी। मंगलवार 3 मई को अक्षय तृतीया है, गौरतलब है कि अक्षय तृतीया को छत्तीसगढ़ में ''अक्ती'' के नाम से भी जाना जाता है। शासकीय कृषि महाविद्यालय ढोलिया बेमेतरा के डीन डॉ. केपी वर्मा ने बताया कि 3 मई को सवेरे 9 बजे से जिले के विकासखण्ड साजा के गौठान ग्राम राखी में अक्ती तिहार का आयोजन किया गया है। उन्होने किसानों एवं आम नागरिकों से इस कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है। नरवा, गरुवा, घुरवा, बारी अऊ गौठान। कुंआ, तरिया, खेत-खार अऊ बीजहा धान।। मिलजुल के गांव बनाये बर रहो तियार। नवा बछर किसानी के आगे अक्ती तिहार।।

वर्षों से मकान बनाने का सपना देख रहे लोगों को मिला भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र

बेमेतरा/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद क्षेत्र अंतर्गत आयोजित भवन अनुज्ञा वितरण एवं ई-रिक्शा वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती शकुंतला मंगत साहू अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बेमेतरा ने की। इस अवसर पर विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि अब मकान बनाने का सपना देख रहे लोगों के लिए इसकी राह आसान हो गई है, शहर के सभी 21 वार्डो के 350 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मोर जमीन मोर मकान के तहत स्वीकृत भवन अनुज्ञा प्रमाण पत्र एवं नक्शा प्रदान किया गया, अब यह हितग्राहीयो अपने आवास के लिए निर्माण कार्य को प्रारंभ कर पाएंगे, काफी समय से हितग्राहियों को इस पल का बेसब्री से इंतजार था, कि कब उनका नाम मकान बनाने के लिए सूची में शामिल हो सके और कब उन्हें अपने सपनों का घर बनाने के लिए भवन अनुज्ञा मिल सके आज आप सभी हितग्राहियों का सपना साकार होते हुए भवन अनुज्ञा वितरण कर सभी को मकान निर्माण कार्य प्रारंभ करने की बधाई और शुभकामनाएं। साथ ही 21 ई-रिक्शा का भी वितरण किया गया। इस अवसर पर सुमन गोस्वामी अध्यक्ष शहर कांग्रेस कमेटी बेमेतरा, मंगत साहू, मनोज शर्मा सभापति, राम ठाकुर सभापति, श्रीमती रश्मि मिश्रा सभापति, अखिलेश नामदेव सभापति, श्रीमती रेहाना रवानी सभापति, राजू साहू पार्षद, श्रीमती जया साहू पार्षद, श्रीमती रानी सेन पार्षद, साधेलाल बघेल पार्षद, नीलू राजपूत पार्षद, श्रीमती सजनी यादव पार्षद, श्रीमती लक्ष्मी डेहरे पार्षद, घनस्याम देवांगन पार्षद, देवराम साहू पार्षद, शत्रुहन निषाद पार्षद, शोमनाथ ध्रुव पार्षद, प्रशांत तिवारी एल्डरमैन, शंकर चौहान एल्डरमैन, श्रीमती जानता साहू एल्डरमैन, होरिसिंह ठाकुर मुख्य नगर पालिका अधिकारी बेमेतरा सहित बड़ी संख्या में नगरवासी रहे उपस्थित।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग (भ/स) कोण्डागांव संभाग कोण्डागांव

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 1890/NIT-02/2022-2023/व ले लि दिनांक 28/04/2022

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि :-	12/05/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदारों द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि :-	19/05/2022 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि :-	20/05/2022 पूर्वान्ह 11.30 बजे तक
निविदा प्रपत्र की कीमत (रु.में)	750.00
निविदाकारों की श्रेणी	ई-पंजीयन के अंतर्गत श्रेणी ''द'' से ''अ'' तक
कार्य की अवधि	T0002=2 MONTHS

एनआईटी निविदा क्र.	क्र. कार्य का नाम/ NoOfCalls	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि (रु.में) बैंक साल्वेंसी (रु.में)
1	2	3
T0002	डी.एन.के. क्वार्टर नंबर डी.02 कोण्डागांव में जीर्णोद्धार कार्य। प्रथम आमंत्रण	4.99 5000.00 74900.00

1. आवेदन पत्र प्रस्तुत करते समय छत्तीसगढ़ शासन लोक निर्माण विभाग मंत्रालय महानदी भवन नया रायपुर अटल नगर जिला रायपुर का आदेश क्रमांक एफ-21-5/टी/19/2012 निविदा दिनांक 31.07.2020 का पालन अनिवार्य है।
2. अन्य निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। एवं अन्य निविदा संबंधी शर्तों का अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

जी-90741/2

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) कोण्डागांव
संभाग कोण्डागांव

अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की बैठक संपन्न

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनय कुमार कश्यप की अध्यक्षता में नेशनल लोक अदालत के आयोजन एवं अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी द्वारा विचाराधीन बंदियों के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश कश्यप ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार सभी राज्यों में 14 मई 2022 को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। जिसके अंतर्गत राजनांदगांव जिले में भी नेशनल लोक अदालत का आयोजन होगा। जिसमें आपसी सहमति, सुलह समझौता एवं राजीनामा के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। उन्होंने बताया कि नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय के साथ राजस्व न्यायालयों में भी किया जायेगा।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कई चुनौतियों...

डेनमार्क में अपनी व्यस्तताओं को समाप्त करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 मई को भारत वापस जाते समय फ्रांस में कुछ समय के लिए रुकेंगे। वह पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के साथ बातचीत करेंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है जब यूक्रेन पर आक्रमण के चलते रूस के खिलाफ अधिकांश यूरोप एकजुट है।

एलएसी पर गलत ...

ने यह भी कहा कि हमने चीन सरहद पर अतिरिक्त सैनिकों को तैनात किया है। हमारी पूरी कोशिश है कि लद्दाख में पुरानी स्थिति को कायम किया जाए। भारतीय सैनिक महत्वपूर्ण पदों पर हैं और यथास्थिति में किसी भी बदलाव या क्षेत्र के किसी भी नुकसान की अनुमति नहीं देंगे। वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर स्थिति को सामान्य बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने चीन द्वारा बलपूर्वक यथास्थिति को बदलने के लिए एकतरफा और भड़काऊ कार्रवाई का पर्याप्त जवाब दिया है।

न्यूज एजेंसी एएनआई से उन्होंने यह भी बताया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त उपकरण और सैनिकों को शामिल किया गया है। साथ ही हमारा ध्यान लॉजिस्टिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बुनियादी ढांचे के विकास पर भी रहा है। उन्होंने आगे कहा कि उनका मकसद एलएसी पर तनाव कम करना और यथाशीघ्र यथास्थिति बहाल करना है।

मजदूर दिवस पर कैबिनेट...

योजना के तहत लाभ प्रदान करने का निर्णय लिया गया।

छत्तीसगढ़ अमर जवान ज्योति स्मारक की स्थापना के लिए नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण को निर्माण एजेंसी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया।

छत्तीसगढ़ राज्य में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर तैयार करने छत्तीसगढ़ रोजगार मिशन का गठन तथा राजीव मितान क्लब योजना लागू की गई है। इनके वित्तीय पोषण और क्रियान्वयन हेतु सभी प्रकार के विक्रय, दान, भोग बंधक या तीस वर्ष से अधिक की कालावधि के पट्टे पर स्टाम्प शुल्क की राशि पर कुल 12 प्रतिशत की दर से उपकर अधिरोपित किए जाने हेतु प्रस्तावित छत्तीसगढ़ उपकर (संशोधन) अध्यादेश-2022 का अनुमोदन किया गया।

आवासीय मकानों तथा फ्लैट्स पर पंजीयन शुल्क से छूट देने के संबंध में बाजार मूल्य (गाईड लाईन) एवं पंजीयन शुल्क के युक्तियुक्तकरण संबंधी अधिसूचना का कार्योत्तर अनुमोदन किया गया।

स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करने और पर्यटकों की सुविधा में वृद्धि की दृष्टि से छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधीन 26 इकाईयों को लीज पर दिए जाने का निर्णय लिया गया।

नगर पालिक निगमों के अचल संपत्तियों के अंतरण स्वीकृति के अधिकार जो राज्य शासन में निहित हैं, को छ.ग. नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 426 बी के प्रावधान अनुसार संबंधित जिले के कलेक्टर को प्रत्यायोजित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया।

आदिवासियों की स्वयं की भूमि में वृक्ष कटाई की प्रक्रिया को सरलीकृत करने हेतु छत्तीसगढ़ आदिम जनजातियों का संरक्षण (वृक्षों में हित) संशोधन विधेयक-2022 के प्रारूप का अनुमोदन किया गया।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के समकक्ष छत्तीसगढ़ खाद्य पोषण सुरक्षा अधिनियम के अंतर्गत जारी राशनकार्डो में अप्रैल 2022 से सितंबर 2022 तक अतिरिक्त खाद्यान्न एवं मासिक पात्रता का चावल निःशुल्क वितरण करने का निर्णय लिया गया।

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र-202204100700206/ अ-06/वर्ष 2021-22

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नीता श्रीवास्तव वगै. अविनाश कुमार श्रीवास्तव निवासी ग्राम सिंधिया नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम तितुरडीह तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 10/22 रकबा 0.0220 हे. भूमि जो कि आवेदक/शामिलात सखातेदार के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। आवेदित भूमि के खातेदार नीरज बक्सी की मृत्यु हो जाने पर फौती दर्ज कर मृतक खातेदार के सभी विधिक वारिसानों का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 12/5/22 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20/4/22 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग, रायपुर संभाग क्र.-1 रायपुर

मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना

विज्ञप्ति क्रमांक 3082/ एन.आई.टी.-08/टी.सी./22-23/ रायपुर, दिनांक 27/04/2022

कार्य का विवरण	अनुमानित राशि (लाखों में)
S/R, MOW, Deposit and Other Works of Jila Hospital Kalibadi Raipur under Maintenance Sub Division Raipur	19.75
Petty Bazar Supply Articles of Residential and Non Residential Building under Survey Sub Division Raipur	5.00
Petty Bazar Supply Articles of Head Qu. Section under Survey Sub Division Raipur	5.00
White Washing, Colour Washing, Distempering and Painting Work at Panchsheel Nagar Section under Maintenance Sub Division Raipur	7.00
White Washing, Colour Washing, Distempering and Painting Work at Jila Hospital Kalibadi Raipur under Maintenance Sub Division Raipur	7.50
White Washing, Colour Washing, Distempering and Painting Work at Anand Nagar, Shanti Nagar and Panchsheel Nagar Section under Maintenance Sub Division Raipur	6.00
White Washing, Colour Washing, Distempering and Painting Work at Errigation Colony at Panchsheel Nagar Section under Maintenance Sub Division Raipur	5.50
Material Supply Like Metal, Sand, Moorum at Panchsheel Nagar Section under Maintenance Sub Division Raipur	0.75

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि- 17.05.2022

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट www.cg.nic.in/pwdraipur/ में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

शर्तें- सरल क्र. 2,3 एवं 8 निविदा में भाग लेने हेतु निविदाकार के पास नगर निगम रायपुर का गुमास्ता प्रमाण-पत्र होना आवश्यक है।

जी-90745/3

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग संभाग क्र.-1
रायपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा मीनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नं. 74 सरोरा रोड उरला इंडस्ट्रीयल एरिया से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित, प्रबंध संपादक - चन्द्रशेखर धोटे, फोन : 0771-4035602, डाक पंजीयन क्रमांक CG/RYP/DN/ 40/2019-2021

हमर मुख्यमंत्री हर करिस अपील, आऊ मजदूर दिवस बन गिस 'बोरे-बासी उत्सव', सबो झन चखिन स्वाद

रविवार 1 मई को जब पूरा हिन्दुस्तान मजदूर दिवस मना रहा था तो वहीं हमर छत्तीसगढ़ में 'बोरे-बासी उत्सव' मन रहा था। दरअसल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की एक अपील से खास और अलग हो गया और पूरे राज्य ने इसे राज्योत्सव बना दिया। सीएम से लेकर मंत्री, विधायक, आईएएस, आईपीएस से लेकर हर वर्ग के लोग बोरे बासी के जरिए श्रमिकों के साथ जुड़ गए और उन्हें सम्मान दिया गय। प्रदेश के पारंपरिक भोजन को हर कोई मिल-बांट कर इसका स्वाद चखा गया। इन तस्वीरों में देखें 'बोरे-बासी उत्सव'....

कोरबा कलेक्टर रानू साहू ने बेटे और मजदूरों के साथ बोरे बासी खाकर मजदूरों का सम्मान किया।

कोरबा पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल ने खाया बोरे बासी

आम वृक्ष की छाया में श्रमवीरों के सम्मान, छत्तीसगढ़ी आहार व संस्कृति के गौरव की अनुभूति के साथ कलेक्टर कोरिया ने अपनी बिटिया व पुलिस अधीक्षक के साथ बोरे बासी का स्वाद लिया।

वहीं मनेंद्रगढ़ विधायक डॉ. विनय जायसवाल ने महापौर चिरमिरी कंचन जायसवाल के साथ थाना परिसर चिरमिरी में सभी पुलिस जवानों के साथ बोरे बासी का आनंद लिया।

बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने मजदूरों के साथ मिलकर बोरे बासी खाया।

देवभोग जनपद कार्यालय में जनपद उपाध्यक्ष, एसडीएम टीआर देवांगन सीईओ एमएल मंडावी ने बोरे बासी का स्वाद चखा

छत्तीसगढ़ी फिल्म ''भूलन द मेज'' के निर्माता-निर्देशक और कलाकारों ने खाया बोरे बासी।

दुर्ग विधायक अरूण वोरा ने श्रमिक चौक, गोंडवाना भवन और एलएलआरएम सेंटर में बोरे बासी खाकर श्रमिकों का सम्मान किया।

महापौर धीरज बाकलीवाल व निगम आयुक्त हरेश मंडावी ने स्वच्छता दीदियों के साथ मनाया बोरे बासी पर्व।

बेमेतरा कलेक्टर भोसकर विलास संदीपान एवं पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह ने जिले के ग्राम अमोरा में शिवनाथ नदी के किनारे पेड़ की छांव में बोरे बासी खाकर श्रमिकों का सम्मान किया।

चित्रकूट विधायक राजमन बेंजाम

पुलिस अधीक्षक जितेंद्र सिंह मीणा

ग्राम बस्तानार में ग्रामीणों द्वारा बोरे बासी का सेवन करते हुए

जोगी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नवनीत चांद

बस्तर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रोहित व्यास

बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल ने अपने निवास में आम के आचार व प्याज के साथ बोरे-बासी खाया।

मुंगेली कलेक्टर डॉ. गौरव कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह, प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी एवं मुंगेली अनुविभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी दशरथ सिंह राजपूत ने गौठान में मजदूरो के साथ बैठकर गोंदली अउ चटनी के साथ बोरे बासी खाकर श्रम का सम्मान किया।

केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन की नहीं हो रही मॉनिटरिंग!

निर्माण कार्यो पर उठ रहे सवाल, जांच में काम की गुणवत्ता की खुली पोल

बैकुंठपुर/नवप्रदेश। जिले के प्रत्येक गांव का संपूर्ण विकास करने के लिए सरकार एक के बाद एक नई योजना ला रही है। जिसके क्रियान्वयन पर करोड़ों रुपए खर्च किया जा रहा है। लेकिन इन योजनाओं का प्रतिफल आम जनता को नहीं मिल पा रहा है। हम बात कर रहे हैं केंद्र सरकार की अति महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन स्कीम की। जिसका उद्देश्य हर नागरिक को उसके घर तक पेयजल पहुंचाना है। जिसमें सरकारी स्कूल व आंगनबाड़ी भी शामिल हैं। इस योजना के तहत अब तक किए गए काम का जो रिजल्ट सामने आया है। वह काफी निराशाजनक है। क्योंकि योजना के तहत निर्माण कार्य पर भारी भरकम बजट तो खर्च कर दिया गया है लेकिन उसकी गुणवत्ता और अपूर्ण कार्य की वजह से कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। क्योंकि उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। जिस खबर को पूर्व में नवप्रदेश में प्रमुखता से प्रकाशित भी किया गया जहा जाच टीम अधिकारी ने बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत चिरगुड़ा में कार्य की गुडवत्ता को लेकर संबंधित पी एच ई विभाग के ठेकेदार को फटकार भी लगाई किन्तु स्तिथि अब भी जस की तस हैं। वही सोलर टंकी व पाईप लाइन लगने के पश्चात भी ग्राम के सभी घरों में पानी नही पहुँच पा रहा फि र भी जिले के जिम्मेदार अधिकारी अंजान हैं। वही दूसरी और जल जीवन मिशन के तहत कोरिया जिले में 1396 शासकीय प्राथमिक / मीडिल स्कूल व 1502 आंगनबाड़ी भवनों में बच्चो को साफ पानी उपलब्ध कराने जल जीवन मिशन योजना के तहत स्कूलों में एक लाख छत्तीस हजार व आंगनबाड़ी भवन में एक लाख छह हजार रुपये की योजना तैयार कर स्वीकृति हेतु भेजा गया जहा पूर्व में यह कार्य पी एच ई विभाग के द्वारा किया जाना था किंतु जिले के उच्च अधिकारी ने इन कार्यो को जल्द पूरा करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत को निर्माण एजेंसी बनाने का निर्देश दे दिया किन्तु अब ग्राम पंचायत के अधिकारी ही इस योजना को पतीला लगाने में जुटे हैं जहा कई ग्राम पंचायत में स्कूलों व आँगनबॉडी में यह कार्य ठेका में ठेकेदार को दे दिया गया वही कुछ ग्राम पंचायत में तो बिना स्वीकृति ही कुछ कार्य पूर्ण भी करा दिए साथ ही कुछ ग्राम पंचायतों में तो अधूरे कार्य को भी पूर्ण बता अब मूल्यांकन करने की तैयारी हैं जब कि यह मामला बैकुंठपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत चिरगुड़ा में सामने आ चुका हैं वही जाच में आये अधिकारी को भी पंचायत के सरपंच व पंचों ने लिखित में कार्य मे ठेकेदारी होने व गुडवत्ता को लेकर शिकायत की जिससे अंदाजा लगाया जा सकता हैं कि जिले के अन्य स्थानों में इस योजना का क्या हाल होगा जब कि जिले के कुछ ग्रामीण स्थानों में तो टोटी ही गायब हैं साथ ही स्कूलों में पेयजल के लिए जो इन्फ्रा स्ट्रक्चर बनाया गया है वह उपयोगविहीन होकर क्षतिग्रस्त हालत में पहुंच रहा है। इस योजना के तहत ही कोरिया जिले के ऐसे ग्राम, स्कूल व आंगनबाड़ी चिन्हित किए गए थे, जहां पेयजल व्यवस्था टोंटी के माध्यम से नहीं है। योजना के तहत ठेकेदार द्वारा स्कूल परिसर में पेयजल के लिए नया स्ट्रक्चर बनाया गया। पानी के लिए एक या दो टंकी रखकर पाइप लाइन के जरिए नल कनेक्शन जोड़े गए। बेसिन लगाई गई। यह सब काम तो कर दिया गया। लेकिन पेयजल की समस्या में जो मूल जड़ थी उसका निदान नहीं निकाला गया। यही कारण रहा कि यह नई व्यवस्था उपयोगविहीन होकर रह गई है। स्कूलों में टोंटी से पानी की व्यवस्था न होने के कारण ही टॉयलेट का उपयोग नहीं हो पा रहा। उनकी सफाई नियमित नहीं हो पा रही। बिना पानी के शौचालय भी उपयोगविहीन हो गए हैं। पानी निकासी की व्यवस्था भी नही किया गया , कुछ भवनों में पाईप लगने के बाद प्लास्टर भी नही किया गया वही जिम्मेदार अधिकारी के समय पर मॉनिटरिंग नही होने से ठेकेदार भी कार्य की गुडवत्ता को ध्यान न देते हुए स्टीमेट से हटकर सामग्री लगा दिए वही अधूरे कार्य मे अब पूरे स्वीकृति राशि की मांग कर रहे जिससे अब पंचायतो में इस भुगतान को लेकर सरपंच /पंच व सचिव में कुछ स्थानों में विवाद बना हुआ है जब कि जिले में कुछ स्थानों में सत्यापन में कुछ अधिकारी ने लगभग 70 से 80 हजार रुपये ही व्यय होना बता रहे ऐसे में पूरा भुगतान होने पर शासकीय राशि मे बड़ा गड़बड़ झाला होने की संभावना हैं !

सही मॉनीटरिंग का अभाव

जल जीवन मिशन के तहत जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायत में काम चल रहा है। लेकिन इसके काम की गुणवत्ता से आम जनता संतुष्ट नहीं है। कई बार स्थानीय ग्रामीण जनसुनवाई के माध्यम से इसकी शिकायत कर चुके हैं। जिसके बाद हरकत में आए प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने के निर्देश दिए। अधिकारी मौके पर पहुंचे भी और ठेकेदार को सही काम करने की हिदायद भी दी। लेकिन बाद में इन कामों की मॉनीटरिंग ठीक से नहीं की गई। यही वजह हैं कि निर्माण कार्य पूर्ण होने पर कोई न कोई कमी सामने आ रही है।

बिना तकनीकि स्वीकृति ही ठेके में पूरी हो रही जल जीवन मिशन योजना से रनिंग वॉटर कार्य

कई स्कूल-आंगनबाड़ी में क्या है स्थिति

जिले के कुछ स्कूलों व आंगनबाड़ी में पेयजल के लिए स्ट्रक्चर बना हुआ है। पाइप लाइन फिट कर टोंटियां लगा दी गई हैं। लेकिन कुछ स्थानों में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है। वही कुछ स्कूल परिसर में पहले हैंडपंप लगा था। जिसमें बाद में मोटर डालकर पानी खींचने का प्रयास किया। लेकिन कभी मोटर खराब तो कभी भू-जल स्तर नीचे चले जाने से समस्या बरकरार है। जल जीवन मिशन के तहत जो नई व्यवस्था की गई उसमें यह ध्यान नहीं रखा गया कि पानी कहां से आएगा। यही कारण है कि पेयजल के लिए जो नया स्ट्रक्चर बनाया गया, उसमें टोंटियां गायब हो गई। कुछ स्कूल परिसर में हैंडपंप के अलावा पेयजल का अन्य कोई साधन नहीं है। अधिकांश बच्चे घर से बॉटल लेकर आते हैं। गौर करने वाली बात है कि स्कूल परिसर में आदर्श आंगनबाड़ी केंद्र भी है। इसके बावजूद पेयजल के लिए टोंटी व्यवस्था नहीं की गई है। यदि किसी बच्चे को पानी पीना है तो उसे खुद ही हैंडपंप चलाना होगा। जब यह हैंडपंप खराब हो जाता है तो कई-कई दिनों तक ठीक नहीं हो पाता।

गोंदपल्ली के ग्रामीणों को राशन के लिए अब नहीं जाना पड़ेगा कोसों दूर

बीजापुर/नवप्रदेश। जिला एवं पुलिस प्रशासन की तत्परता एवं जनहित कार्य से सुकमा जिले के कोंटा ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत गोंदपल्ली जैसे सुदूर क्षेत्र में बसे ग्रामीणों को सुगमतापूर्वक राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। पूर्व में इस पंचायत के ग्रामीण जो कि राशन लेने 20-25 किलोमीटर तक जगरगुण्डा जाते थे। ग्रामीणों को सुगमतापूर्वक राशन उपलब्ध कराने सिलगेर में राशन दुकान का आज शुभारंभ। डीआईजी दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप सहित जिले में नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ए.वाष्णैव तथा जिला पंचायत सीईओ रवि कुमार साहू, खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे , जिला प्रबंधक नागरिक आपूर्ति निगम घनश्याम कश्यप एवं सुकमा जिले के खाद्य अधिकारी जयवर्धन ठाकुर की उपस्थिति में 298 कार्डधारी ग्रामीण परिवारों को राशन वितरण कार्य शुरु किया गया। इस दौरान नवपदस्थ पुलिस अधीक्षक ए.वाष्णैव ने स्थानीय बोली में ग्रामीणों से हाल-चाल पूछा, ग्रामीणों ने गोण्डी बोली में एसपी से बात कर प्रसन्नता व्यक्त की एवं सुगमतापूर्वक राशन उपलब्ध कराने प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

जिले के खाद्य अधिकारी गणेश कुर्रे ने बताया कि गोंदपल्ली में मूल पंचायत सहित 3 गांव है। जिसमें मंडीमरका एवं तिम्मापूरम शामिल है, तिम्मापूरम एवं मंडीमरका नवीन राशन दुकान से महज 2-3 किलोमीटर की दूरी पर है। वहीं जगरगुण्डा 20 किलोमीटर की दूरी पर है। पहले ग्रामीण जगरगुण्डा पैदल चलकर राशन लेने जाते थे। उन्हें अब काफी सुविधा मिलेगी, तीनों गांव में कुल 298 राशनकार्डधारी परिवार है। जिसे बीजापुर जिले के आवापल्ली प्रदाय केन्द्र से राशन का भण्डारण ग्राम सिलगेर में किया जा रहा है। राशन मिलने से ग्रामीणों में काफ ी उत्साह का वातावरण देखने को मिला विशेषकर महिलाएं इस कार्य से बेहद खुश नजर आयी। अब उन्हें राशन के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। आज राशन वितरण के शुभारंभ के दौरान डीआईजी दंतेवाड़ा कमलोचन कश्यप एवं नवपदस्थ एसपी ए.वाष्णैव ने स्थानीय बुर्जुग ग्रामीण से राशन वितरण कार्य का फीता काटकर शुभारंभ करवाया इस दौरान कार्डधारी परिवार के मुखिया बारसे हुंगी, कुंजाम बुधरी, वेट्टी हिडमा, उइका लक्खो, कुरसम सोमलू, हेमला मंगलू, उइका नंदे, पदम मासा, उइका टांगी सहित सैकड़ो राशनकार्ड धारी परिवार राशन दुकान से राशन लिये।

ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराने में बैंक की महत्वपूर्ण भूमिका

- **बैंक सखी के माध्यम से आपका बैंक-आपके द्वार की अवधारणा हुई साकार**

राजनांदगांव/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितग्राहियों को भुगतान में होने वाली समस्याओं के निराकरण करने एवं बैंकिंग प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाए जाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' द्वारा वर्ष 2017-18 से बीसी सखी मॉडल पर कार्य किया जा रहा है। जिला राजनांदगांव के सभी 9 विकासखण्डों के 600 से अधिक ग्रामों में बीसी सखी मॉडल के तहत कुल 169 बैंक सखी द्वारा बैंकिंग सुविधाओं को ग्राम स्तर पर ही उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया जा रहा है। जिला राजनांदगांव अंतर्गत कार्यरत बैंक सखियों के द्वारा ग्रामीणों को ग्राम स्तर पर ही राशि आहरण, जमा, फण्ड ट्रांसफर के साथ-साथ शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत हितग्रहियों को पेंशन भुगतान, मनरेगा मजदूरी भुगतान, जनधन खाता भुगतान, किसान सम्मान निधि की राशि भुगतान एवं शासन की अन्य विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। जिले की बैंक सखियों द्वारा वर्ष 2017 से अब तक कुल 225 करोड़ रूपए से भी अधिक का ट्रांजेक्शन किया गया है। इस कार्य से बैंक सखी संबंधित बैंक से कमीशन प्राप्त कर आय अर्जित कर रही हैं। बिहान योजना अंतर्गत विकासखण्ड मोहला की पूजा लाल फ रवरी 2020 से छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से जुड़कर बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही है एवं अपने कार्यक्षेत्र के 6 ग्रामों में ग्रामीणों को निर्बाध बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करते हुए, उन्होंने अब तक 8 करोड़ रूपए से भी अधिक का ट्रांजेक्शन कर लिया है। बैंक सखी का कार्य करते हुए पूजा लाल वर्तमान में प्रतिमाह औसतन 13 से 15 हजार रूपए बैंक से कमीशन अर्जित कर रही हैं। इसी प्रकार विकासखण्ड राजनांदगांव के ग्राम कोटराभाठा की टेमिन साहू जनवरी 2017 से छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक से जुड़कर बैंक सखी के रूप में कार्य कर रही हैं एवं अपने कार्यक्षेत्र के 4 ग्रामों में ग्रमीणों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करते हुए अब तक 8 करोड़ 50 लाख रूपए से भी अधिक का ट्रांजेक्शन कर लिया है। टेमिन साहू बैंक सखी का कार्य करते हुए वर्तमान में प्रतिमाह औसतन 9 से 10 हजार रूपए बैंक से कमीशन अर्जित कर रही हैं। पूजा लाल एवं टेमिन साहू बैंक सखी के रूप में पूरे प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य करते हुए ग्रामीणों को सुगमतापूर्वक बैंकिंग सुविधाएं प्रदान कर महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में अद्भुत मिशाल पेश कर रही हैं।

दिव्यांग बच्चों को वितरण हुआ आवश्यक उपकरण एवं यंत्र

खरोरा/नवप्रदेश। विकासखण्ड स्रोत केन्द्र तिल्दा में विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनके आवश्यकतानुसार श्रवण यंत्र, ट्राइसिकल, व्हील चेयर, ब्रेल कीट, बुक मैग्नीफाइंग जैसे अनेकों 26 एमआर कीट वितरण किया गया। सहायक विकासखण्ड शिक्षाधिकारी डॉ. व्यास नारायण आर्य के द्वारा सभी बच्चों को फ्रूटी व चॉकलेट प्रदान किया गया। इस अवसर पर विशेष आवश्यकता वाले हितग्राही बच्चों के साथ उनके पालक, सहायक विकासखण्ड शिक्षाधिकारी एलके जाहिरे, नीलम शर्मा, डॉ. व्यास नारायण आर्य, एसके शर्मा, डॉ. विरेन्द्र साहू , सुविधा सिंह, नरोत्तम ध्रुव, हिमांचल चौबे, कैलाश बघेल, चेतन दास बैरागी, शिव वर्मा, केसरी निषाद, ओमप्रकाश चेलक, चंद्रकांत आदि अनेक लोगों की उपस्थिति रही।

गर्ल्स कॉलेज अब भक्त माता कर्मा महाविद्यालय के नाम से जाना जाएगा, विधायक सिन्हा ने की घोषणा

बालोद/नवप्रदेश। संजारी विधायक संगीता सिन्हा ने विधानसभा को विकास कार्यों में पहले पायदान पर रखा है। जहां कुछ दिन पहले ही एक करोड़ 21 लाख से निर्मित ग्राम निपानी में हाई सेकेंडरी स्कूल भवन का लोकार्पण शिक्षा मंत्री के हाथों से करवाया वहीं पास के पीपरछेड़ी गांव में जर्जर अवस्था में स्कूल गुरुर के नए भवन और मिर्रीटोला में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक की शाखा की घोषणा भी मंत्री से करवा दी। विधायक संगीता सिन्हा ने क्षेत्र के लोगों को और खासकर साहू समाज को एक विशेष सौगात दी है जहां जिले का कन्या महाविद्यालय का नाम भक्त माता कर्मा कन्या महाविद्यालय करने की घोषणा गुरूर में तहसील स्तरीय साहू समाज के कार्यक्रम में की। साहू समाज द्वारा तहसील स्तरीय कर्मा जयंती उत्कृष्ट विद्यार्थी सम्मान सामाजिक सम्मेलन का कार्यक्रम था जिसमें विधायक के साथ-साथ क्षेत्र के सांसद मोहन मंडावी और साहू समाज के तमाम दिग्गज नेता पूर्व विधायक मौजूद रहे। इस बीच समाज की सौगात देते हुए कन्या महाविद्यालय का नाम भक्त माता कर्मा विद्यालय करने की घोषणा करते हुए पत्र मुख्यमंत्री लिखा है जिससे समाज में काफ ी खुशी की लहर है। विधायक ने कहा कि भूपेश बघेल की सरकार हर वर्ग हर समाज और हर तबके के लोगों के साथ है उनके कदम से कदम मिलाकर उनके विकास के बारे में सोच यह कांग्रेस सरकार की देन है। कांग्रेस सरकार सबके साथ है कांग्रेस ने किसानों के बारे से लेकर सरकारी नौकरी करने वालों तक के बारे में सोचा है। किसानों को जहां धान का बोनस कर्ज माफ किया वहीं सरकारी नौकरी वालों के लिए पुरानी पेंशन बहाली कर उन्हें बड़ी सौगात दी है।

भगवान परशुराम की जयंती कल धूमधाम से मनाई जाएगी, तैयारियां पूरी

जगदलपुर/नवप्रदेश। भगवान परशुराम तथा आदिस्वरूप शंकराचार्य की जयंती 3 मई को सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा धूमधाम से मनाया जाएगा। इस हेतु सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा आज प्रेस वार्ता में कार्यक्रम से संबंधित विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 3 मई को ब्राह्मण समाज के नवयुवकों द्वारा सुबह 11 बजे नगर के विभिन्न मार्गो से बाइक रैली निकाली जाएगी। तत्पश्चात शाम को शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसमें भगवान परशुराम आदिस्वरूप शंकराचार्य की जीवनी से संबंधित झांकी इस शोभायात्रा में होगी। वहीं महाआरती के बात प्रसाद वितरण किया जाएगा। बस्तर जिले के विभिन्न समाजों के द्वारा भी इस आयोजन में अपनी सहभागिता निभाते हुए इस आयोजन को सफल करने में अपनी अपना योगदान देंगे। प्रेसवार्ता में बस्तर चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष मनीष शर्मा सर्व ब्राह्मण समाज के संजीव शर्मा, अनिल सामंत सहित समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला बाल विकास विभाग अधिकारी ने पत्रकारों से की दुर्व्यवहार, कार्रवाई की मांग

पिथौरा/नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा पिथौरा में आयोजित कार्यक्रम का कवरेज करने गए पत्रकारों से दुर्व्यवहार करने के मामले में छग जर्नलिस्ट वेलफेयर यूनियन ने निंदा करते हुए महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी पर कार्रवाई करने की मांग करते हुए कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। 28 अप्रैल को महिला एवं बाल विकास विभाग के कर्मचारियों को कृषि उपज मंडी प्रांगण में बने टीन शेड के नीचे भीषण गर्मी में कार्यक्रम आयोजित था जिसका कवरेज करने पत्रकार गौरव चंद्राकर एवं रमेश श्रीवास्तव पहुंचे थे जिनके साथ वहां मौजूद अधिकारी सुधाकर बोदले ने यह कहते हुए दुर्व्यवहार किया था की पत्रकारों की कोई आवश्यकता नहीं है। कोविड नियमों का पालन नहीं करने संबंधी चर्चा करने पर उन्होंने वहां से पत्रकारों को चले जाने की बात कह कर पत्रकारों को अपमानित करने का प्रयास किया था इसकी शिकायत पत्रकार द्वारा छत्तीसगढ़ जनरलिस्ट वेलफेयर यूनियन से की गई थी जिसके बाद पत्रकार संगठन की बैठक जिलाध्यक्ष बलराज नायडू के मार्गदर्शन में की गई और जिसमें महिला बाल विकास विभाग के उक्त अधिकारी के कृत्य की कड़ी शब्दों में निंदा की गई तथा इसकी शिकायत एसडीएम पिथौरा के माध्यम से कलेक्टर से किए जाने का निर्णय लिया गया तथा संबंधित अधिकारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

नपं की कुर्सी से भाजपा का ब्रेकडाउन, विकास के पहियों ने पकड़ी अब रफ्तार

छुईखदान/नवप्रदेश। नगर पंचायत छुईखदान में विगत सत्रह वर्षो से नगर पंचायत' के अध्यक्ष के तौर पर भाजपा का एकाधिकार रहा है, उस एकाधिकार को भाजपा के निर्वाचित पार्षदों द्वारा अध्यक्ष के प्रति असहमति जाहिर करते हुए कांग्रेस पार्टी के निर्वाचित पार्षदों के सहयोग से नगर पंचायत अध्यक्ष के प्रति आस्था न रखते हुए अध्यक्ष के प्रति बारह पार्षदों ने अविश्वास प्रस्ताव कलेक्टर के पास प्रस्तुत किया। अविश्वास प्रस्ताव पर नियमों के तहत सम्मेलन आहूत कर की गई कार्यवाही में, भाजपा अल्पमत में होने के कारण, अध्यक्ष को पदच्यूत किया गया। छत्तीसगढ़ नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 37/2 में प्रदूत -शक्तियों का उपयोग में लाते हुए राज्य शासन द्वारा नगर पंचायत छुईखदान जिला राजनादगांव के अध्यक्ष पद पर आगामी आदेश पर्यन्त पालिका संजय महोबिया को अध्यक्ष नियुक्त किया गया। अध्यक्ष के पद पर आसीन होकर नगर पंचायत के सभा कक्ष में शपथ ग्रहण की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत कहा कि नगर के विकास कार्य को गति देने प्राथमिकता से कार्य कराया जाएगा। किसी भी प्रकार की भेदभाव नहीं बरती जायेगी। नगर वासियों की नगर पंचायत से संबंधित किसी भी कार्य हो बेखटके मुझे अवगत कराये जाने पर नियमों के तहत उस समस्या का निदान करने पूरा प्रयास किया जाएगा। शपथ ग्रहण के मात्र दो दिन बाद से, अध्यक्ष पार्तिका संजय महोबिया द्वारा, मुक्ति धाम सहित समस्त देवा क्यों के समीप 6 बोर की खुदायी करायी गई ताकि तपती गर्मी में पानी की समस्या न हो. साथ ही नगर के अनेक वाक बार्डो में, सड़क की दुर्दशा से नगरवासियों को हो रही असुविधा को ध्यान में रखते हुए सड़कों में क्रीटिंग का कार्य निरन्तर जारी है, चौक चौराहों की में हो रही अव्यवस्था को भी नये सिरे से आकर्षक बनाया जा रहा है। संख्या बल के आधार पर नगर पंचायत के शहरी सत्ता में काबिज रहे भाजपा कार्यकाल में नगर के विकास की रफ्तार धीमी हो गई है, नगर की ऐसी अनेक ज्वलंत समस्याएं है जो निराकृत नहीं हो पायी, किन्तु नगर पंचायत के सत्ता परिवर्तन से जो नगर विकास के कार्यो को वर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष पर्तिका महोबिया ने जिस गति से निगर विकास के कार्यो को प्राथमिकता से करने का जो बीड़ा उठाया है। नगरवासी अध्यक्ष के कार्यो की प्रशंसा की जा रही है। लगातार कार्यो में गति आने से नगर के हर क्षेत्र में लंबित पड़े कार्य पूरे होंगे ऐसी आशा व्यक्त की जा रही है।

श्रीराम कॉलेज सारागांव में पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

खरोरा/नवप्रदेश। श्रीराम कॉलेज सारागांव में पर्यावरण संरक्षण पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय के छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण पर विविध कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बीएड एवं डीएलएड के प्रशिक्षुओं द्वारा महाविद्यालय परिसर में वृक्ष लगाकर पर्यावरण को संरक्षित करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.अमित पटेल ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व एवं पर्यावरण के बारें में विस्तृत जानकारी उपस्थित लोगों को दी। साथ ही उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति को अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए पेड़ लगाने का संदेश दिया। और उनके सुरक्षा के लिए संकल्प लेने की बात कही। उन्होंने आगे कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने ग्राम स्तर, समाज स्तर, महाविद्यालय एवं विद्यालय में पर्यावरण के प्रति लोगों को जागरूक करें तथा प्रत्येक वर्ष कम से कम एक वृक्ष लगाकर पर्यावरण को संरक्षित कर धरती को स्वर्ग बनाने का संकल्प लें। इस अवसर पर बी.एड.प्रशिक्षुओं द्वारा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नुक्कड़ नाटक के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ एवं बीएड तथा डीएलएड के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

मंत्री के निर्देश पर एनीकट का खराब गेट सुधारने पहुंची 6 सदस्यीय टीम

रामानुजगंज/नवप्रदेश। लगभग 9 करोड़ रुपए लागत से निर्मित एनीकट के शो पीस में तब्दील होने के बाद नगर में भीषण जल संकट के खतरे के बीच प्रभारी मंत्री शिव डहरिया एवं विधायक बृहस्पत सिंह के निर्देश के बाद अंबिकापुर से जल संसाधन विभाग विद्युत यांत्रिकी लाइट एवं मिशनरी उप संभाग अम्बिकापुर की 6 सदस्य टीम आज गेट सुधार करने के लिए पहुंची। साथ ही जल संसाधन विभाग जनप्रतिनिधियों की राय से एनीकट को उपयोगी बनाने के लिए कार्य योजना भी बना रही है। एनीकट का गेट एनीकट निर्माण होते ही क्षतिग्रस्त हो गया था। जिस कारण एनीकट से सारा पानी निकल जाता था और एनीकट में पानी का पर्याप्त भंडारण नहीं हो पाता था। इस वर्ष भी अप्रैल के दूसरे पखवाड़े में ही एनीकट से पूरा पानी निकल जाने के कारण नगर में भीषण जल संकट गहराने लगा है इस बीच जिले के प्रभारी मंत्री एवं विधायक के निर्देश के बाद कार्यपालन अभियंता संजय ग्रायकर एनीकट का निरीक्षण करने पहुंचे थे वही आज विद्युत यांत्रिकी लाइट एवं मिशनरी उप संभाग अम्बिकापुर से झूमर राम के नेतृत्व में 6 सदस्यीय टीम गेट को सुधारने के लिए पहुंची झूमर राम ने बताया कि तीन से चार दिन में गेट को सुधार दिया जाएगा। हेड स्टॉक को आज बनाएंगे वहीं गेट को निकालने के बाद उसके बाद ही पानी लीकेज कैसे हो रहा है उसका पता चलेगा जिसे सुधारने के लिए कार्य करेंगे।

करोड़ों का हुआ बंदरबांट

जल संसाधन विभाग के तत्कालीन अधिकारियों के द्वारा विगत कई वर्षों से लगातार भ्रष्टाचार के नए-नए कीर्तिमान स्थापित किए जा रहे थे यहां तक कि जलाशयों के मरम्मत गेट सुधार एनीकट के मरम्मत सुधार के नाम पर करोड़ो रुपए प्रत्येक वर्ष आहरण होते रहे परंतु जमीनी हकीकत यह रहा कि किसी भी जलाशय एवं किसी भी एनिकट का गेट सुधार नहीं हुआ।मरम्मत एवं सुधार के नाम पर पैसों का आहरण कर उनका बंदरबांट कर लिया गया।

तत्कालिक अधिकारियों ने नहीं ली सुध

निर्माण के समय से ही एनीकट का गेट खराब है परंतु जनप्रतिनिधियों अधिकारियों के निर्देश और नाराजगी के बाद भी तत्कालिक अधिकारीयो ने एनीकट देखने तक की जहमत नहीं उठाई फि र उनसे सुधार करवाएं ऐसा सोचना भी बेमानी साबित होगी। प्रभारी मंत्री एवं विधायक के निर्देश के बाद गेट को सुधारने का पहल आज से प्रारंभ हो गया।